

अगले 35 साल आप जो करेंगे, वह विकसित भारत का आधार होगा

पीएम ने कहा- मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा

एजेसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा। उन्होंने कहा, मैंने आईआईटी के कई पूर्व छात्रों की सफलता देखी है। उन्होंने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था।



इसलिए हमेशा सीखते रहें, सिर्फ सवाल न पूछें और उनके समाधान भी खोजें।

दिल्ली आईआईटी में मोदी बोले- सिर्फ सवाल मत पूछिए समाधान भी खोजिए

पीएम ने 3 महत्वपूर्ण बातें कहीं

- छात्र ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी की रफ्तार इतनी तेज है कि यह कहना मुश्किल है कि अगले 20-30 साल में दुनिया कैसी होगी।
- कैम्पस लाइफ और असल जिंदगी में बहुत अंतर होता है। आईआईटी

में सिलेबस होता है और पता होता है कि कौन-सी परीक्षा देनी है। कौन-सा कोर्स पढ़ना है। उधर, असली जिंदगी में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। वहां यह भी खुद पहचानना पड़ता है कि असली सवाल क्या है। हर पीढ़ी के सामने अलग चुनौतियां और दायित्व होते हैं। देश ने गुलामी का दौर देखा। उस

समय की पीढ़ी के सामने आजादी हासिल करना सबसे बड़ा लक्ष्य था। इसके लिए लोगों ने लंबा संघर्ष किया और त्याग व बलिदान दिए। आज की पीढ़ी की चुनौतियां और जिम्मेदारियां अलग हैं। अगले 35 साल में आप जो करेंगे, वह देश की कौन-सी जरूरत पूरी करेगा, यह आपको तय करना है।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत बोले

पाकिस्तानी अपने दिल से भारतीयों के दुश्मन नहीं हैं

एजेसी ►► मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भारत-पाकिस्तान संबंधों और वैश्विक संघर्षों पर एक बड़ा बयान दिया है। मुंबई में आयोजित इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस (आईआईएमयूएन) की 15वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद भारतीय समाधान दूसरों पर विजय प्राप्त करना या उन्हें नष्ट करना नहीं, बल्कि सामंजस्य और संवाद स्थापित करना है।

स्थायी शत्रुता किसी समस्या का हल नहीं हो सकती

डॉ. मोहन भागवत

हम थुछ से नई शुधआत करें

डॉ. भागवत ने कहा कि टकराव खत्म होने के बाद हमें वहीं से शुरूआत करनी होगी जहां हमने छोड़ा था। स्थायी नफरत और स्थायी दुश्मनी कोई समाधान नहीं है। भारत और पाकिस्तान के आम लोगों के बीच संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव मुख्य रूप से राजनीतिक परिस्थितियों के कारण है। संघर्ष के समय हम अपनी सरकार और सेना के साथ हैं, लेकिन हम जानते हैं कि एक दिन यह टकराव समाप्त होगा और हमें एक होना पड़ेगा, क्योंकि आखिरकार मानवता एक है।

छातीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY airtel

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रि.ले. जनरल कोटवाल बने एम्स के कार्यकारी निदेशक
भोपाल। केंद्र सरकार ने रियायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल नरेंद्र कोटवाल को 3 साल के लिए भोपाल एम्स का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। सैन्य चिकित्सा प्रशासन का लंबा अनुभव रखने वाले कोटवाल एएफएमसी पुणे के निदेशक रह चुके हैं और वर्तमान में पारस हेल्थ, पंचकूला में कार्यरत हैं। अभी प्रभार दरभंगा एम्स के डॉ. माधवानंद कर के पास था।

17 साल जेल काटने के बाद हुए बरी

जबलपुर। मप्र हाई कोर्ट ने एफआईआर में बताए गए चाकू और गवाहों के बयानों तक कई ऐसे तथ्य हैं, जो अभियोजन की कहानी पर संदेह पैदा करते हैं। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति अवनीन्द्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने तुलसीराम राजपाल और उसके भाई हरप्रसाद की उम्रकैद की सजा निरस्त कर दोनों को बरी कर दिया।

बेटे ने 75 साल की मां को घसीटा, मारे थप्पड़

जबलपुर। यहां एक कलयुगी बेटे ने अपनी मां को न केवल थप्पड़ मारे बल्कि उसे सड़क पर घसीटता नजर आया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। रांछी अशोक बिहार कॉलोनी राजू विश्वकर्मा अक्सर अपनी बुजुर्ग मां के साथ मारपीट करता है। सीएसपी सतीष साहू का कहना है कि वीडियो अभी मेरे संज्ञान में आया है।

केंद्र सरकार ने स्थिति की स्पष्ट

यूपीआई यूजर्स को कोई शुल्क नहीं लगेगा अधिकांश व्यापारिक लेनदेन भी रहेंगे मुफ्त

सीमा से बाहर लेन देन होता है तो मामूली शुल्क लगेगा

एजेसी ►► नई दिल्ली

यूपीआई उपयोगकर्ताओं को किसी भी तरह का लेनदेन शुल्क नहीं देना होगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम (पीएसएस एक्ट), 2007 में प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य आम उपभोक्ताओं पर शुल्क लगाना नहीं, बल्कि यूपीआई की दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा

फाइल फोटो

सुनिश्चित करना है। सभी व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) लेनदेन भी पूरी तरह नि:शुल्क रहेंगे। व्यापारियों के लिए भी यूपीआई के अधिकांश लेनदेन मुफ्त रहेंगे। यदि भविष्य में मंचेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू किया जाता है तो यह केवल निर्धारित सीमा से अधिक होने वाले सीमित व्यापारी

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सीजेआई सूर्यकांत एवं मुख्यमंत्री ने 2 दिवसीय वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस का किया शुभारंभ, यह 9 अगस्त तक चलेगी

इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में 'इन्हेंसिंग एक्सेस जस्टिस' कांफ्रेंस में सीजेआई ने मप्र की पहल को सराहा

न्याय तभी संभव, जब हम पीड़ित के दुःख-दर्द को उसकी भाषा में समझें

सीजेआई सूर्यकांत

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

भारत के मुख्य न्यायाधीश और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रमुख संरक्षक न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्याय मिलने से पहले पीड़ित को यह विश्वास होना आवश्यक है कि उसकी पीड़ा या समस्या को कोई सुन रहा है। उन्होंने कहा कि सभी की समस्याएं अलग-अलग हो सकती हैं, परंतु हर समस्या का समाधान एक जैसा नहीं होगा। स्थानीय समस्या को उसी सोच के साथ निदान तक लेकर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी पीड़ित की समस्या और उसके दुख-दर्द को हमें उसकी अपनी भाषा में अंतर्गमन से सुनना पड़ेगा। इससे समस्या को समझने और उसका निदान करने में बड़ा अंतर देखने को मिलेगा और यही अंतिम न्याय का आधार बनेगा। सब तक न्याय की पहुंच सिर्फ कानून के आधार पर तैयार नहीं हो सकती है।

न्याय सबके लिए सहज, सुलभ, शीघ्र और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण हो: मुख्यमंत्री

ब्रेल लिपि में मार्ग दर्शिका का विमोचन किया गया

►► **सीजेआई ने कहा- सब तक न्याय की पहुंच सिर्फ कानून के आधार पर तैयार नहीं हो सकती है। यह संवाद से ही संभव**

सीएम डॉ. यादव ने कहा- न्याय मानवीय संवेदनाओं से भरा हो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय पाना इस धरती में जन्मे हर व्यक्ति का प्राथमिक और मानवीय अधिकार है। एक जागरूक नागरिक के रूप में यह हमारा कर्तव्य भी है कि हम समाज के हर उस पीड़ित व्यक्ति या समुदाय को न्याय के मंदिर तक न केवल पहुंचाए, वरन उसे न्याय भी दिलवाएं जो न्याय पाने का वास्तविक अधिकारी है। उन्होंने कहा

कि इसके लिए जरूरी है कि हमारी न्याय व्यवस्था ऐसी हो, जो सर्वव्यापी हो, सुलभ हो, सुगम हो, शीघ्र हो, सस्ती हो, समदर्शी हो और सबसे जरूरी यह कि न्याय मानवीय संवेदनाओं से भरा हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण भारतीय न्याय परंपरा को समृद्ध करने की दिशा में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है।

यह विधिक सहायता की वास्तविक परिभाषा

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्याय व्यवस्था के संदर्भ में सशक्त भविष्य, गरिमा, समावेशन सिर्फ शब्द नहीं, यह विधिक सहायता की वास्तविक परिभाषा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकमता देवी अहिल्याबाई होलकर के न्याय के प्रति समर्पण का जिक्र किया।

भारतीय न्याय व्यवस्था में न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था में न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक इसकी पहुंच हो, यह हमारी प्रतिबद्धता है। दुनिया में भारत की पहचान लोकतंत्र की जननी के तौर पर है।

बेहद नशे में था ड्राइवर युवक

बेकाबू हुई मर्सिडीज ने बुजुर्ग महिला को रौंदा

तीन गाड़ियों को भी मारी टक्कर

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली के नरेला इलाके में शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा सामने आया। नशे में धुत एक युवक ने तेज रफ्तार मर्सिडीज कार से सड़क किनारे खड़ी तीन गाड़ियों और पक्षियों को दाना डालने निकली 77 वर्षीय बुजुर्ग महिला को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां

डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में पता चला है कि दुर्घटना के वक्त कार शुभम नाम का युवक चला रहा था, जो नरेला का ही निवासी है। उसके पिता हरियाणा पुलिस में सब-इंस्पेक्टर हैं। यह गाड़ी शुभम के दोस्त अर्जुन सिंह (निवासी: पॉकेट-6, सेक्टर ए-10, नरेला) के नाम पर रजिस्टर्ड है, जिसे आरोपी ने

एक दिन पहले मांगा था। कारवाई से बचने के लिए आरोपी ने कार की नंबर प्लेट के साथ भी जालसाजी कर रखी थी। कार के आगे और पीछे अलग-अलग नंबर थे और टेप लगाकर नंबर 9 को 8 बनाया गया था। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है और उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

लेनदेन पर नाममात्र दर से लगाया जाएगा। यह दर डेबिट या क्रेडिट कार्ड के एमडीआर की तुलना में काफी कम होगी। संसद से कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित होने के बाद एनपीसीआई की अध्यक्षता वाली यूपीआई और सेवा संचालन समिति एमडीआर से जुड़े प्रावधानों पर निर्णय लेगी। सरकार के अनुसार, यूपीआई के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकथाम और तकनीकी ढांचे को लगातार मजबूत करने की जरूरत है।

►► साझेदार देशों के बीच संस्कृति को बढ़ावा देने पर विचार

►► सांस्कृतिक और विरासत को लेकर साझा रोडमैप तैयार

►► ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल हुए 14 देशों के 55 प्रतिनिधि

अव्यवस्था के दो बड़े दृश्य

विभाग बोला

बच्चों की संख्या ज्यादा, इतने वाहन नहीं

स्कूल के छात्रों का ट्रॉली से सफर नटेरन में बसों की कमी से समस्या

हरिभूमि न्यूज़ ►► विदिशा

जिले के नटेरन स्थित सांदीपनि विद्यालय में परिवहन सुविधा की कमी के कारण कई बच्चों को ट्रैक्टर-ट्रॉली से स्कूल जाना पड़ रहा है। सांदीपनि विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए आने-जाने की परिवहन सुविधा का प्रावधान

है। हालांकि, जिन गांवों तक पहले स्कूल से जाती थीं, वहां अब नियमित रूप से वाहन नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में बच्चों की पहुंच जारी रखने के लिए अभिभावक मजबूरी में उन्हें ट्रैक्टर-ट्रॉली से स्कूल भेज रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि यदि स्कूल बसें पहले की तरह नियमित चलने लगे, तो बच्चों को जोखिम उठाकर स्कूल नहीं जाना पड़ेगा।

बीएमओ बोले

बजट नहीं मिलने से नहीं हो सकी व्यवस्था

कचरा वाहन से शव ले गए सरकारी अस्पताल का हाल

हरिभूमि न्यूज़ ►► छतरपुर

बड़ा मलहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव परिवहन की बदहाल व्यवस्था का मामला सामने आया है। शव वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण मृतकों के शव नगर परिषद के कचरा वाहन से ले जाने का वीडियो वायरल हुआ है। लोगों का कहना है कि अस्पताल का कचरा बढ़ने के बावजूद आज

तक शव वाहन जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है। उनका आरोप है कि आंमन समय में भी मृतकों को सम्मानजनक व्यवस्था नहीं मिल पा रही, जिससे परिवजनों की भावनाएं आहत होती हैं। बड़ा मलहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. हेमंत मर्या ने बताया कि अस्पताल के लिए शव वाहन की मांग बंद बजा जित्त रात पर भेजी जा चुकी है, लेकिन अब तक बरत स्वीकृत नहीं हुआ है।

सम्मेलन की थीम 'लचीलापन, नवाचार और स्थिरता' थी

चोरी हुई... या गलत रास्तों से ले जाई गई सांस्कृतिक संपदा वापस लाने का निर्णय

विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

राजधानी भोपाल में 4 दिन से चल रहे ब्रिक्स सांस्कृतिक सम्मेलन-2026 का शनिवार को समापन हो गया। आखिरी दिन ब्रिक्स देश के संस्कृति मंत्रियों की मौजूदगी में हुई बैठक में 'भोपाल घोषणा पत्र' जारी किया गया। इसमें सभी देशों के कलाकारों को मौका देने, चोरी या गलत रास्तों से विदेशों में पहुंची सांस्कृतिक संपदाओं को वापस लाने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन की थीम 'लचीलापन, नवाचार और स्थिरता' थी। सांस्कृतिक और विरासत को लेकर साझा रोडमैप तैयार किया गया। डिजिटल माध्यम भी इस घोषणा पत्र में तैयार किया गया।

सीएम डॉ. मोहन यादव अतिथियों का स्वागत करते हुए

स्वैच्छिक कलाकार रजिस्ट्री की पायलट पहल

ब्रिक्स संस्कृति ट्रैक के अंतर्गत एक ठोस पहल के रूप में भारत ने स्वैच्छिक कलाकार रजिस्ट्री विकसित करने के लिए एक पायलट पहल की घोषणा की। प्रस्तावित रजिस्ट्री का उद्देश्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुगम बनाना, पेशेवर नेटवर्क को सुदृढ़ करना तथा ब्रिक्स देशों के कलाकारों और रचनात्मक क्षेत्र के पेशेवरों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। यह विभिन्न देशों के कलाकारों को जोड़ने और सतत सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए एक व्यावहारिक तंत्र के रूप में कार्य करेगी।

महिला आरक्षण बिल पर नहीं थम रही रार, राहुल और रिजिजू में वार



एजेसी ►►नई दिल्ली

महिला आरक्षण बिल को लेकर राहुल गांधी और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। राहुल गांधी के पलटवार के बाद अब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें नियम-कानून बताए हैं।

खबर संक्षेप

पैसा बोलता है, साफ होते हैं ऋष्ट: खरगे

हल्द्वानी। रामलीला मैदान में कांग्रेस की विजय शंखनाद रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा, केंद्र व राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। खरगे ने रोजगार, सरकारी भर्तियों, पेपर लीक, शिक्षा, कानून व्यवस्था, महंगाई, धार्मिक आस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया और कहा, वहां सभी साफ हो रहे।

साइबर ठगों ने बुजुर्ग से ठगे 8 लाख रुपए

गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के जंगल कौड़िया चौकी अंतर्गत विशुनपुर निवासी लालमन साहनी साइबर ठगी के शिकार हो गए। ठगों ने वीडियो कॉल से खुद को उद्योगपति मुकेश अंबानी बनाया और कंपनी में 10 लाख निवेश करने पर 40 करोड़ वापसका झांसा दिया। ठगों ने अमितभ बच्चन का नाम लिया।

अभिषेक ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज को विदेश जाने की अनुमति नहीं देने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने याचिका यह कहते हुए खारिज की थी कि वे एसएसकेएम अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के सामने अपनी मेडिकल रिश्ति की जांच कराने के लिए तैयार नहीं थे।

बेंगलुरु में 5 स्टार होटलों में छापेमारी

बेंगलुरु। कर्नाटक फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की टीम ने बेंगलुरु के 6 बड़े-बड़े 5स्टार होटलों में छापेमारी की। यहां फूड सुरक्षा नियमों के उल्लंघन हुआ। यहां एक्सपायरी डेट के बाद भी खाने की चीजें रखी मिली। विभाग ने 250 किलो मीट, 207 किलो सब्जियाँ, 32 लीटर दूध, 3किलो बेकरी प्रोडक्ट्स को नष्ट किया।

पार्किंग की दीवार गिरी 10 गाड़ियां तबाह

नई दिल्ली। इस वक़्त की बड़ी खबर राजधानी दिल्ली से आ रही है। यहां दिल्ली के देवली में भारी बारिश की वजह से एक प्राइवेट पार्किंग की दीवार ढह गई। इस हादसे में 10 से ज्यादा गाड़ियां मलबे में दबकर बुरी तरह तबाह हो गई हैं। इस घटना में किसी की जान नहीं गई। हालांकि इस घटना में गाड़ियों को काफी नुकसान हुआ है। यहां पानी निकलने का रास्ता नहीं था।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया पर गिनाए नियम, परिसीमन विधेयक 2026 के तहत इसे लागू करने का तरीका प्रस्तावित किया और इसकी जरूरत बताई

रिजिजू ने कहा

राहुल गांधी को यह पता है कि संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) में लोकसभा और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

यह तब लागू

जब परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो जाए

- 2023 के बाद प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों के आधार पर। इसका मतलब है 2026 के बाद प्रकाशित जनगणना के आंकड़े।
- साल 2026 के बाद जनगणना के आंकड़े जारी करने की प्रक्रिया अभी चल रही है। इन्हें अंतिम रूप से जारी होने में काफी समय लग सकता है (जाति-आधारित जनगणना के कारण)। महिला आरक्षण लागू करने में काफी देरी हो सकती है, और कम से कम 2034 के आम चुनावों से पहले तो ऐसा नहीं हो पाएगा।
- इसलिए, 2029 में होने वाले अगले आम चुनावों में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए, हाल ही में प्रकाशित जनगणना के आंकड़ों के आधार पर जल्द से जल्द परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने की जरूरत है।
- लोकसभा में पेश कपरिसीमन विधेयक 2026 के तहत इसे लागू करने का तरीका प्रस्तावित किया गया है।

महिला आरक्षण विधेयक 3 साल बाद भी लागू क्यों नहीं हुआ: राहुल



बेवजह क्यों जोड़ना चाहते हैं? 2023 का कानून लागू कीजिए। बिना किसी शर्त के।

पीएम मोदी से मिलेंगे शरद गुट के सभी 8 सांसद

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदगुट) के सभी 8 सांसद सोमवार को प्रधानमंत्री से मिलेंगे। सांसद सुप्रिया सुले ने यह जानकारी दी। सुले ने साफ किया कि हम सभी आठ सांसद महाराष्ट्र से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे।

अमेरिकी बिल पर विपक्ष ने कहा

यह सरकार की विदेश नीति की नाकामी

भारत समेत कई देशों पर 100 फीसदी टैरिफ का प्रावधान करने वाले अमेरिकी विधेयक पर विपक्षी दलों ने शनिवार को प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने इसे नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश और आर्थिक नीतिक की नाकामी करार दिया। विपक्षी पार्टी के नेता पवन खेड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सरकार पर निशाना साधा।

शर्तें थोपता है अमेरिका: खेड़ा

अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंध वाले विधेयक को मंजूरी मिलने पर कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि क्या भारत सच में स्वतंत्र है? जो भी आता है, भारत को शर्तें थोपता है। वह कहता है कि आप यहां से तेल खरीद सकते हैं, इतना तेल खरीद सकते हैं और वहां से तेल नहीं खरीद सकते।

परिसीमन को अकाली का सनर्धन

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद बादल ने किया ऐलान

चंडीगढ़। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने अब केंद्र सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने एक्स पर इसकी जानकारी दी है।

विजय को लगा बड़ा झटका

परिसीमन पर बुलाई बैठक से 37 सांसद गायब रहे

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलपति द्वारा परिसीमनपर बुलाई गई सर्वदलीय सांसदों की बैठक से विपक्षी दल समेत कई पार्टियों ने दूरी बना ली है। 57 सांसदों में से 37 गायब रहे।

प्रधानमंत्री ने आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस, सीखने वाला ही सदा आगे बढ़ेगा

मुझे आप सभी पर गर्व , बेटियों के मेधावी होने से स्थिति और बेहतर होती

एजेसी ►►नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने डिग्री पाने वाले छात्रों को बधाई दी और उनसे देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में 587 पीएचडी शोधार्थियों समेत 3,000 से अधिक छात्रों को डिग्री दी गई। छात्रों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व है। जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। लगातार सीखने वाला ही आगे बढ़ेगा। छात्राओं के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि अगर कुछ बेटियां मेधावी छात्राएं होतीं, तो स्थिति और भी बेहतर होती।इस समय छात्र अपने भविष्य को लेकर कई चीजों के बारे में सोच रहे होंगे। इनमें करियर, वेतन, नए शहर में जाना और अपना स्टार्टअप बातें शामिल हो सकती हैं। पीएम मोदी ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में ‘परम प्रज्ञा’ नाम की एआई आधारित हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग सुविधा का ऑनलाइन उद्घाटन भी किया। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, एडवांस कंप्यूटिंग आदि हैं।



प्रतिष्ठित शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए

पुरस्कार प्रदान करते प्रधानमंत्री मोदी

शानदार प्रदर्शन करने वालों को पदकों से नवाजा

प्रधानमंत्री ने शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को आईआईटी दिल्ली के प्रतिष्ठित शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए। इनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, निदेशक स्वर्ण पदक, शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक और परफेक्ट टेन स्वर्ण पदक शामिल हैं।

भले ही रास्ते, सपने अलग हों लेकिन एक भावना समान होनी चाहिए

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर किसी का अपना अलग रास्ता और सपने होते हैं, लेकिन एक भावना तो सभी में समान होनी चाहिए - आईआईटी दिल्ली में अपना पहला दिन और आज का दिन। ओरिएंटेशन से लेकर दीक्षांत समारोह तक की अपनी यात्रा से आप सभी संतुष्ट महसूस कर रहे होंगे।

दोस्तों और शिक्षकों के योगदान को याद रखें

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें आईआईटी दिल्ली में पढ़ाई के दौरान साथ देने वाले दोस्तों, शिक्षकों और कर्मचारियों को हमेशा याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये लोग उनके सफर का अहम हिस्सा रहे हैं और भविष्य में जब छात्र पीछे मुड़कर देखेंगे, तो उन्हें कैपस के साथ-साथ इन लोगों की भी याद आएगी।

सिद्धिविनायक चढ़ावा मामले पर बोले मुख्यमंत्री फडणवीस अधिकारी 5 साल के रिकॉर्ड की जांच करें और इसकी रिपोर्ट जल्द पेश भी की जाए

एजेसी ►►मुंबई

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में चढ़ावे की राशि में कथित गड़बड़ी की पूरी जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने 5 साल के सभी दस्तावेज की जांच करने का निर्देश दिया है। ट्रस्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने फडणवीस से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री को 2023 से 2026 के बीच मंदिर में चढ़ावे की राशि का पूरा ब्योरा दिया था।



राज ठाकरे ने लगाया था आरोप

यह आदेश मनसे प्रमुख राज ठाकरे के आरोपों के बाद आया है। राज ठाकरे ने आरोप लगाया था कि मंदिर के चढ़ावे से हर साल करीब 18 करोड़ रुपए का गबन किया जा रहा है। इसके बाद मंदिर के नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था।

बदरीनाथ केस में तीसरी गिरफ्तारी

बदरीनाथ धाम के चर्चित चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हिमाचल प्रदेश निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है, जो धाम के पास लामबगड़ स्थित जेपी पावर वेंचर्स की जल विद्युत परियोजना में सुरक्षा गार्ड था।

प्रयागराज में ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम में बोले एलओपी राहुल

दर्द, डेटा और दौलत की बात की, यूथ को सर्वोपरि बताया

एजेसी ►►प्रयागराज

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि यूथ के सामने कोई कुछ नहीं है। मैं दर्द, डेटा और दौलत की बात करूंगा। युवाओं ने देश को रास्ता दिखाया है। युवाओं ने डर का सामना किया और डर को बाहर किया। राहुल ने इसे छात्रों की गूंज के कैप्शन के साथ पोस्ट किया है। राहुल ने कहा कि भाजपा वोट चोरी करवाती है। हर संस्था में आरएसएस प्रचारक बिठाए गए। भारत में रोजगार के सारे दरवाजे बंद हैं। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान के पास युवा है और सबसे अधिक डेटा युवाओं के पास है, आपके डेटा के बिना एआई का कोई मतलब नहीं।



हिंदुस्तान में रोजगार के सारे रास्ते बंद

राहुल ने कहा कि समस्या ये है कि छात्र पढ़ाई करते हैं, पैसा खर्च करते हैं, लेकिन हिंदुस्तान में रोजगार के सारे रास्ते बंद किए हुए हैं। आज दुनिया में आपके मेड इन चाइना, मेड इन बांग्लादेश दिखेगा, लेकिन मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। इसकी वजह नोटबंदी और जीएसटी को लागू करना है।

बैठक के सियासी मायनों पर टिकी नजरें

मुलाकात को बड़ी रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा

एजेसी ►►नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ का यह दिल्ली दौरा काफी खास माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले सीएम योगी को दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात को बड़े राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

पीएम मोदी से मिले सीएम योगी, दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को और ‘गरमाया’

एजेसी ►►नई दिल्ली



सियासी गलियारों में पारा चढ़ा

सियासी गलियारों में मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं को भी तेज कर दिया है।

केंद्रीय गृहमंत्री से मिले अरुण भारती

चिराग ने भी शुरू की तैयारी, भारती ने शाह से की चर्चा, बनाई ‘रणनीति’

उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर चिराग पासवान की एलजेपी

रामविलास ने भी जमीन तैयार करने शुरू कर दी है। पार्टी ने यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर संगठन मजबूत करने की तैयारी का दावा किया है।

आयुध कारखाने की भी बात रखी

भारती ने बताया कि शाह से उनके संसदीय क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर भी बातचीत हुई। खास तौर पर क्षेत्र में आयुध कारखाना स्थापित करने के विषय को उन्होंने गृह मंत्री के सामने रखा।

गुजरात हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती

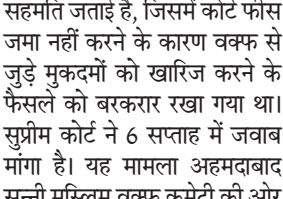
कोर्ट फीस के बिना वक्फ केस को खारिज कर दिया

एजेसी ►►नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है, जिसमें कोर्ट फीस जमा नहीं करने के कारण वक्फ से जुड़े मुकदमों को खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 6 सप्ताह में जवाब मांगा है। यह मामला अहमदाबाद सुन्नी मुस्लिम वक्फ कमिटी की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका पर सुनवाई जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस विजय विश्‍नोई की पीठ ने की।

यह है पूरा मामला ?

गुजरात राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल ने पर्याप्त कोर्ट फीस जमा नहीं होने के आधार पर कार्यवाही स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। इसके खिलाफ वक्फ संस्थाओं ने गुजरात हाईकोर्ट का रुख किया था। हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में इन याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि वक्फ संस्थाओं को कोर्ट फीस से पूरी तरह छूट नहीं मिली हुई है।



HF-Deluxe

बाइक दमदार

दाम शानदार

नई एक्स-शोरूम कीमत

₹59 999/-

₹7 451/-* की बचत

कम डाउन पेमेंट

₹5 999/-

चांदी का सिक्का जीतने का मौका*

pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक*

टोल फ्री 1800 266 0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase-II, New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. ~Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas variant applicable in Madhya Pradesh. *Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलर: जबलपुर: सुपर हीरो (साउथ सिविल लाईन्स) 9289922350, सुदर्शन हीरो (नेपियर टॉउन 9289922353, मदन महल 9111100352, दमोह नाका 9111100344), डीलर एक्सटेंशन: सुदर्शन हीरो (आनंद नगर बस स्टॉप), 9289922353; बालाघाट: जायसवाल हीरो 9289922572, छतरपुर: आनंद हीरो (झांसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, मण्डला: शुभा हीरो 9289922600, नरसिंहपुर: रचना हीरो 9289922377, टीचा: बद्रीका हीरो (टी.पी. नगर 9752263333, इलाहाबाद रोड 9171705391), सतना: स्टार हीरो 9289922356, बद्रीका हीरो 9289923108, राहडोल: विभोर हीरो 9289923109, गुप्ता हीरो 9289922370, कटनी: हर्ष हीरो 9289923166, वैढ़न: कुन्दन हीरो 9289922743, बजरंग मोटर्स 7354559000, सीधी: राजेन्द्र मोटर्स 9289923113, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, सिवनी: सुदर्शन हीरो 9821745435, चौरई: श्रीजी ऑटोमोबाइल्स, 9821749342, एसोशिएट डीलर: पथरिया: एसएस ऑटोमोबाइल्स, 9691147568, सेमरिया: आकाश मोटर्स 9893918358, अमरवाड़ा: अप्पित ऑटोमोबाइल्स 7428595943, ब्योहारी: श्री राम ऑटोमोबाइल्स 9424683246, बुड़हार: श्री ऑटोमोबाइल्स 9425181937, डिंडोरी: अवधिया ऑटो 8959777333, नैनपुर: स्वास्तिक मोटर्स 9893746172, गाडरवाड़ा: शेखर व्हीकल्स 9425467409, जुन्नाटदेव: लक्ष्मी नारायण मोटर्स 8109164000, कोतमा: सिटी ऑटोमोबाइल्स 7987519546, मेहर: वैशाली ऑटोमोबाइल्स 9424741022, मउगंज: सेंगर मोटर्स 9425185568, लांझी: श्रीखण्ड ऑटोमोबाइल्स 7428390262, पांडुरना: जय भवानी ऑटोमोबाइल्स 7428390263, परासिया: श्री महावीर ऑटोमोबाइल्स 7354460008, रामपुर बघेलान: सॉई ऑटोमोबाइल्स 9993224296, रांझी: गुरुकृपा ऑटो 9424728007, सिहोरा: वार्डक प्वांट 9826802730, उमरिया: गुप्ता ऑटो एजेंसी 9285505630, चारसिबनी: रुसिया मोटर्स 9425822392, जतारा: शाहदा मॉ ऑटोमोबाइल्स 9111231539, टीकमगढ़: एस.एस. इन्टरप्राइजेज 7000242371, पृथ्वीपुर: महावीर एजेंसीज 7000375943, मुलताई: शाहदा श्री मोटर्स 9522870001, चितरंगी: ओम मोटर्स 9685416118, बरगवा: बजरंग मोटर्स 9926183734, बहरी: श्याम एजेंसी 9981238133, बरही: अजीत ऑटोमोबाइल्स 7566217410, 9131739086, अनूपपुर: बाल गोविंद ऑटोव्हील्स 9770531138, 9770744844, नागोद: चोटसिया ऑटोमोबाइल्स 9926365074, देवसर: श्री राम मोटर्स 9425086868 अमरपाटन: रिशु ऑटोमोबाइल्स 9893829195, रत्नीमनावाड: अनिल मोटर्स 9425466101, रामनगर: विजय ऑटोमोबाइल्स 9893252517, धनोरा: भवानी व्हीकल्स 9424950703, सरई: यश मोटर्स, 9981718853, सालीचोका: अभिषेक इंटरप्राइजेज 8989434793, खटखटी: खटखटी ऑटोमोबाइल, 9617241112, गुड़: विश्व मोटर्स, 9229072020, कोठी: लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स, 7987308294, 83058099514, उंचेहरा: अंकुर ऑटोमोबाइल्स, 9589176355, रामपुर नैकिन (सीधी): लक्ष्मी जी ऑटोमोबाइल्स, 9406782277, दुधमनिया सिंगदोली: राधा कृष्ण मोटर्स, 7000995137, गढ़: अंबे मोटर्स, 9144881695, बीरसिंहपुर: तनु ऑटोमोबाइल्स, 9425886424, देवतालाब: वर्षा मोटर्स, 9424622310, गुन्नौर: मधुवन मोटर्स, 8959050501, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, नरसिंहपुर: रचना हीरो 8815396340, दमोह: इंडिया ऑटो सेंटर 8839230079.

भारत-रूस कार्य समूह की 12वीं बैठक

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत और रूस ने रेलवे परिवहन, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), एसजे-100 क्षेत्रीय विमान और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच यह चर्चा भारत-रूस कार्य समूह की 12वीं बैठक के दौरान हुई।

यह बैठक भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग के तहत गठित आधुनिकीकरण और औद्योगिक सहयोग कार्य समूह के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी स्थित वाणिज्य भवन में आयोजित की गई। बैठक में भारतीय पक्ष का नेतृत्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने किया, जबकि रूसी पक्ष की ओर से रूस के उद्योग एवं व्यापार उपमंत्री अलेक्सी गुजदेव ने सह-अध्यक्षता की।

खबर संक्षेप

समय से 20 दिन पहले रोकी गई अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर। समय से 20 दिन पहले ही अमरनाथ यात्रा रोक दी गई है। लगातार बारिश और लैंडस्लाइड के

चलते रास्ते खराब हो जाने की वजह से यह फैसला लिया गया है। अब केवल जो जत्थे में हैं, उन्हीं की यात्रा पूरी कराई जाएगी। नए जत्थों को नहीं भेजा जाएगा। अभी तक 4.8 लाख श्रद्धालु बाबा अमरनाथ की यात्रा कर चुके हैं। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर अंशुल गर्ग के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में खराब मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते यह निर्णय लिया।

कनाडा से 3,323 भारतीयों को वापस भेजा

ओटावा। कनाडा ने 2026 के पहले छह महीनों में 3,323 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर भेजा है।

इसके साथ ही यह संख्या पिछले छह साल के सर्वाधिक आंकड़े को पार करने की ओर बढ़ रही है। कनाडा सीमा सेवा एजेंसी के अनुसार 2025 में पूरे साल में निकाले गए भारतीय नागरिकों की संख्या 3,779 थी जबकि इस साल के शुरुआती छह महीनों में ही 3,323 भारतीय नागरिकों को निकाला जा चुका है। अब तक सबसे अधिक भारतीय वर्ष 2025 में निकाले गए थे।

सुंदर कटवाल ब्रिटेन के कम्युनिटी फंड बोर्ड में

लंदन। भारतीय मूल के लेखक और थिंक टैंक 'ब्रिटिश पप्पुचर' के संस्थापक सुंदर कटवाला को ब्रिटेन के नेशनल

लॉटरी कम्युनिटी फंड के बोर्ड में नियुक्त किया गया है। यह देश की प्रमुख वित्तपोषण

संस्थाओं में से एक है, जो आकर्षक अनुदानों के जरिए सामुदायिक परियोजनाओं के लिए वित्तीय मदद करती है। कटवाला ने इस सप्ताह अपनी नई जिम्मेदारी संभाली है। 'हाउ टू बी ए पैट्रियट' के 52 वर्षीय लेखक चार साल के कार्यकाल के दौरान अस्थिर डेम जूलिया के साथ मिलकर काम करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा आवेदकों के लिए खुशखबर डिजीलॉकर और एएईआरआई के बीच डील दस्तावेज सत्यापन में आएगी तेजी, होगी राहत

एजेसी ►► नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा के लिए आवेदन करने वाले भारतीय छात्रों के लिए दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया अब अधिक तेज, सुरक्षित और पेपरलेस होने जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन ने एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलियन एजुकेशन प्रोवेंडेंट्स इन इंडिया (एएईआरआई) के साथ मिलकर 'एएईआरआई वेरिफाई' डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। यह प्लेटफॉर्म डिजीलॉकर के साथ सीधे एकीकृत होकर छात्रों के शैक्षणिक, पदचान और वित्तीय दस्तावेजों का सहमति-आधारित और स्रोत-सत्यापित सत्यापन उपलब्ध कराएगा।

रेलवे नेटवर्क, ड्रोन, एसजे-100 विमानों और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए दोनों देश

12वें सत्र में आधुनिक औद्योगिकीकरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, रेलवे अवसंरचना, उर्वरक एवं रसायन, दुर्लभ मृदा तत्व और क्रिटिकल मिनरल्स, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में क्षमता निर्माण, ऊर्जा इंजीनियरिंग, औद्योगिक अवसंरचना, खनन उपकरण, और यूरिया उत्पादन के लिए संयुक्त उद्यम जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया

12वें सत्र के प्रोटोकॉल दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए

विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उप समूहों के कार्यों की समीक्षा

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के पर मंथन



बैठक के दौरान अमरदीप सिंह भाटिया और अलेक्सी गुजदेव

बैठक के दौरान रेलवे क्षेत्र में नए सहयोगी अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का विकास, वंदे भारत ट्रेन परियोजना और आधुनिक सिग्नलिंग उपकरणों से जुड़े विषय प्रमुख रहे। दोनों देशों ने रेलवे नेटवर्क के आधुनिकीकरण और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

एयरो-इंजन और नैरो गैंगी जेट विमान बनाएंगे

इसके साथ ही मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), 3-डी प्रिंटिंग तकनीक, रूस के एसजे-100 क्षेत्रीय यात्री विमान के उत्पादन और एयरो-इंजन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। एसजे-100 एक नैरो-गैंगी जेट विमान है, जिसमें लगभग 103 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। दोनों देशों के बीच कार्बन फाइबर तकनीक, प्रोपल्शन सिस्टम, डीएपी और एनपीके उर्वरकों की आपूर्ति, औद्योगिक स्वचालन (ऑटोमेशन) तथा महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े सहयोग पर भी बात हुई।

दोनों देशों के 60 प्रतिनिधि बैठक में शामिल रहे

बैठक के दौरान, दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने 12वें सत्र के प्रोटोकॉल दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए भारत और रूस ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा औद्योगिक एवं आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में दोनों देशों के करीब 60 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

नई दिल्ली पर 100% टैरिफ लगाने का अमेरिकी सांसदों ने किया विरोध

दोनों देशों की साझेदारी होगी प्रभावित रूस और चीन के करीब आएगा भारत

एजेसी ►► नई दिल्ली

अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को एक ऐसे विधेयक को पारित कर दिया, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने के मामले में भारत, चीन और तीन अन्य देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है। अब यह विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में जाएगा। प्रतिनिधि सभा की बैठक 31 अगस्त को दोबारा शुरू होने के बाद इस पर विचार किया जाएगा। कानून बनने के लिए इस बिल को प्रतिनिधि सभा से भी मंजूरी मिलना जरूरी है। इसके बाद इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी पर यह कानून बन जाएगा।

बिल राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। हालांकि, इस बिल को लेकर अब अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। बता दें, अमेरिकी संसद में शुक्रवार को जो विधेयक पेश किया गया, उसका नाम ट्रंप के पूर्व करीबी और दिवंगत रिपब्लिकन सांसद लिंडसे ओ ग्राहम के नाम पर रखा गया है, जो कि इस बिल के रचयिता भी थे। इसे लिंडसे ओ ग्राहम सेंसॉरिंग रशिया एंड ईरान एक्स ऑफ 2026 नाम से पेश किया गया। अमेरिकी सीनेट ने इसे बहुमत से पारित किया। इसके पक्ष में 86 वोट और विपक्ष में महज 11 वोट पड़े। लिंडसे ओ. ग्राहम सेंसॉरिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' को भारी बहुमत से मंजूरी दी है।

◆ रैंड पॉल के मुताबिक, अमेरिका अपने एक अहम रणनीतिक साझेदार को रूस और चीन के और करीब धकेल सकता है। उनके मुताबिक, भारत को दंडित करने की नीति आर्थिक नुकसान के साथ-साथ अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति को भी कमजोर कर सकती है

भारत-अमेरिका संबंधों पर पड़ेगा नकारात्मक असर

अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति कमजोर हो जाएगी



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

यह कदम पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा: पॉल

ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि यह कदम अमेरिका के लिए अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने से भारत-अमेरिका संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इससे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिका अपने एक अहम रणनीतिक साझेदार को रूस और चीन के और करीब धकेल सकता है। भारत को दंडित करने की नीति आर्थिक नुकसान के साथ-साथ अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति को भी कमजोर कर सकती है।

अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ बढ़ेंगे तनाव: रॉन

वहीं, सीनेटर रॉन विडेन ने भी टैरिफ संबंधी प्रावधानों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम अमेरिका के आर्थिक और कूटनीतिक हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे महत्वपूर्ण सहयोगी देशों के साथ संबंधों में अनावश्यक तनाव भी बढ़ सकता है।

भारत-साइप्रस माइग्रेशन एग्रीमेंट पर चर्चा सुरक्षित, कानूनी और कौशल आधारित आवाजाही पर जोर



एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत और साइप्रस के बीच माइग्रेशन एवं मोबिलिटी एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति पर यहां चर्चा हुई। साइप्रस में भारत के उच्चायुक्त मनीष ने साइप्रस के माइग्रेशन एवं इंटरनेशनल प्रोटेक्शन के उप मंत्री निकोलस ए.

आयोनाइड्स और स्थायी सचिव चारालाम्बोस रूसोस से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारतीय पेशेवरों और कामगारों के हितों की रक्षा के साथ सुरक्षित, कानूनी और कौशल आधारित आवाजाही को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने साइप्रस की अर्थव्यवस्था और समाज में भारतीय पेशेवरों तथा कामगारों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उच्चायुक्त ने कुछ भारतीय कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं को भी उठाया। भारत और साइप्रस के बीच सुरक्षित, आवाजाही को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई।

शहीद होने की खबर मिले तो हैरानी नहीं दावा- खामेनेई की हालत गंभीर, अस्पताल में हैं भर्ती

एजेसी ►► तेहरान

इजराइली मीडिया के मुताबिक ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की हालत बहुत गंभीर है और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया है। सरकार के आला स्टरो पर यह अफवाह तेजी से फैल रही है कि खामेनेई 'बेहद गंभीर हालत' में हैं। अगर हमें जल्द ही उनके शहीद होने की खबर मिले तो हमें हैरानी नहीं होगी। वह सार्वजनिक रूप से कहीं नजर नहीं आए हैं सिर्फ लिखित बयानों के जरिए बात की है।



मुज्तबा खामेनेई

खामेनेई के ईरान में नहीं होने का दावा

राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने एक इंटरव्यू में माना कि इस समय मुज्तबा खामेनेई से सीधे बातचीत करना बहुत मुश्किल है। अन्य मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया था कि खामेनेई ईरान में नहीं हैं। ट्रंप कह चुके हैं कि सैन्य कार्रवाई के बाद खामेनेई 90% खरब हो चुके थे और काम करने की हालत में नहीं थे।

ईरान के विज्ञान मंत्री ने प्रह्लाद जोशी से की मुलाकात

युवाओं को सशक्त बनाने और नए अवसर देने पर राजी

एजेसी ►► नई दिल्ली

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी से ईरान के कार्यवाहक विज्ञान, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. मसूद शम्स-बख्श ने मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारत और ईरान के बीच शिक्षा, शोध, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।



प्रह्लाद जोशी और डॉ. मसूद शम्स-बख्श

शैक्षणिक संस्थाओं के बीच संपर्क बढ़ाएंगे

डॉ. मसूद शम्स-बख्श ने प्रह्लाद जोशी के साथ बैठक में भारत और ईरान के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों के आधार पर आधुनिक शिक्षा सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। बातचीत में शैक्षणिक और शोध सहयोग को मजबूत करने, वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने तथा छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर उपलब्ध करने पर चर्चा हुई।

टेरर फाइनेंसिंग की जानकारी मिली

एजेंसी का कहना है कि डिजिटल रेडिकलाइजेशन नेटवर्क फैला है। इसके अलावा टेरर फाइनेंसिंग के बारे में भी जानकारी मिली है। पाटन के अशरार नबी अहमद के यहां भी छापेमारी हुई है। इसके अलावा शोपियां के गुलजार अहमद वानी के यहां भी रेड मारी गई है। गुलजार अहमद वानी का बेटा उस्मान गुलजार पहले की भी सेंट्रल जेल में बंद है। उसे आर्म्स एन्ट, आईपीसी और यूएपीए के तहत जेल में डाला गया है।

लिथियम का खनन करेंगे

इसके अलावा लिथियम खनन, टाइटेनियम तकनीक, एल्यूमीनियम क्षेत्र, खनन उपकरण निर्माण और दुर्लभ मृदा तत्वों (रैयर अर्थ एलीमेंट्स) की खोज में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। बैठक में 11वें सत्र के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की गई और आधुनिकीकरण, खनन, उर्वरक तथा रेलवे परिवहन से जुड़े विभिन्न उप-समूहों के कार्यों का मूल्यांकन किया गया।

यूरिया उत्पादन के लिए संयुक्त उद्यम

बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, 12वें सत्र में आधुनिक औद्योगिकीकरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, रेलवे अवसंरचना, उर्वरक एवं रसायन, दुर्लभ मृदा तत्व और क्रिटिकल मिनरल्स, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में क्षमता निर्माण, ऊर्जा इंजीनियरिंग, औद्योगिक अवसंरचना, खनन उपकरण, एल्यूमीनियम उद्योग और यूरिया उत्पादन के लिए संयुक्त उद्यम जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने किया आश्वस्त

तेल की कोई कमी नहीं, हमारे पास हमेशा 60 दिनों का कवर

एजेसी ►► नई दिल्ली



केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह

अब 41 देशों से आ रहा कच्चा तेल

पुरी ने बताया कि भारत ने कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए अपने स्रोतों को 27 देशों से बढ़ाकर 41 कर लिया है, अपने फ्यूल रिटेल नेटवर्क को 2014 में लगभग 52,000 से बढ़ाकर लगभग 1,07,000 कर लिया है और शहर में गैस वितरण के दायरे को 55 भौगोलिक क्षेत्रों से बढ़ाकर 309 कर लिया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों से आयात में कमी की भरपाई के लिए घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया। अमेरिका एलपीजी की आपूर्ति करने वाला सबसे बड़ा देश बनकर उभरा है। आज भारत के एलपीजी आयात का लगभग 67 प्रतिशत अमेरिका से होता है। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि आपूर्ति में सुधार के बावजूद भू-राजनीतिक संघर्षों के कारण वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में अनिश्चितता बनी हुई है।

रूस और वेनेजुएला से होगी ऊर्जा सुरक्षा

भारत एक तरफ रूस के आर्कटिक इलाके से एलएनजी मंगाने और और दूसरी तरफ वेनेजुएला के दो बड़े ब्लॉकों का परिचालन अपने हाथ में लेने की तैयारी कर रहा है। रूस के उप विदेश मंत्री आर्देई रुडेको ने बताया कि भारत आर्कटिक क्षेत्र में तेल-गैस विकास और नॉर्वेक सी स्ट्रैट में सहयोग बढ़ाने में गहरी रुचि दिखा रहा है। वेनेजुएला के नए कानून के तहत ओएनजीसी सेन क्रिस्टाबल और कारोबो- 1 तेल ब्लॉकों को परिचालन नियंत्रण का समझौता करने जा रही है।

कश्मीर में आतंकवाद की ऑनलाइन वर्कशॉप का मंडाफोड़

5 जिलों में छापेमारी, 5000 लोगों से की पूछताछ

एजेसी ►► श्रीनगर

काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने शनिवार को आतंकवाद से जुड़े एक मामले की जांच के तहत कश्मीर घाटी के कई जिलों में एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कथित दुरुपयोग के जरिए आतंकवाद को महिमांमंडन करने और युवाओं को आतंकी संगठनों में शामिल होने के लिए प्रभावित करने के मामले में की गई। सीआईके की टीमां ने बारामूला, शोपियां, अनंतनाग, कुपवाड़ा, बांदीपोरा समेत कई जिलों में विभिन्न ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस अब तक पूरी कश्मीर घाटी में करीब 5000 लोगों से पूछताछ कर चुकी है।



स्लीपर मोड और ओवरवाउंड वर्कर्स सक्रिय

इन लोगों से पूछताछ के दौरान ही जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के स्लीपर मोड और ओवरवाउंड वर्कर्स के एक्टिव होने की जानकारी मिली थी। इसी आधार पर एक्शन तेज हुआ है। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर चर्चा की है। इस एक्शन के तहत कुपवाड़ा के बाबर डार के यहां छापेमारी की गई। उस पर आरोप है कि सिम काइर्स का गलत इस्तेमाल करते हुए सीशल मीडिया पर फर्जी कंटेन्ट फैलाया था। बांदीपोरा में अब्दुल राशिद डार की बेटी लाली के घर छापेमारी की गई।

एफआईआर के तहत की गई कार्रवाई

अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई एफआईआर संख्या 03/2023 के तहत की गई है, जिसमें आतंकवाद फैलाने, कट्टरता की ओर युवाओं को धकेलने और उन्हें आतंकी ट्रेनिंग के लिए भर्ती किए जाने के आरोपों में मामला दर्ज है। यह मामला पुलिस थाना सीआईके श्रीनगर में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 505 और 153-ए तथा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) की धारा 13 और 18 के तहत दर्ज है। जिसमें कहा गया है कि ये लोग सशस्त्र मीडिया का इस्तेमाल कर आतंकवाद को गतिविधि कर रहे थे। इसके अलावा युवाओं को आतंकी संगठन से जुड़ने के लिए लुभाया जा रहा था।

स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा में कलेक्टर ने दिए लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण, दस्तक अभियान, टीबी नियंत्रण, गैर संचारी रोग, स्वस्थ यकृत मिशन, फूड बास्केट वितरण और होप कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कम उपलब्धि वाले क्षेत्रों में कार्रवाओं का पता लगाकर सुधार के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि 7 अगस्त तक 19 हजार 234 के लक्ष्य के विरुद्ध 14 हजार 116 गर्भवती महिलाओं का एएनसी पंजीयन किया जा चुका है। 523 हाई प्रेसक गर्भवती महिलाओं में से 255 को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीआईएच प्रभावित गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन में 94.24 प्रतिशत और सीवियर



एनीमिया के मामलों में 92 प्रतिशत उपलब्धि रही। कलेक्टर ने शेष मामलों में समय पर उपचार सुनिश्चित करने को कहा।

टीबी मरीजों को 91 प्रतिशत फूड बास्केट वितरण

टीबी कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने मरीजों की स्क्रीनिंग और

उपचार की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 4 हजार 675 को निश्चय पोषण फूड बास्केट दिए जा चुके हैं। 91 प्रतिशत उपलब्धि के साथ जबलपुर प्रदेश में पांचवें स्थान पर है। दस्तक अभियान में शेष बच्चों की स्क्रीनिंग जल्द पूरी करने और दैनिक कवरेज बढ़ाने के निर्देश दिए गए। कम

टीकाकरण कवरेज वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के साथ स्वस्थ यकृत मिशन में एनएएफएलडी स्क्रीनिंग बढ़ाने को भी कहा गया।

होप कार्यक्रम में बुजुर्गों की स्क्रीनिंग पूरी

होप कार्यक्रम के तहत महाराजपुर स्वास्थ्य संस्था में 87 बुजुर्गों का पंजीयन और सत्यापन शत-प्रतिशत रहा। यूपीएचसी कोतवाली, रजा चौक और पोलीपाथर में भी बुजुर्गों की स्क्रीनिंग 100 प्रतिशत की गई। कलेक्टर ने लॉन्ग पंजीयन व स्क्रीनिंग जल्द पूरा कराने तथा बुजुर्गों के फॉलोअप की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं है, वहां तत्काल सुधार कर मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरण प्राथमिकता से निपटाएं : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने और किसी भी आवेदन को अनिश्चित समय तक लंबित नहीं रखने की हिदायत दी। नामांतरण, सीमांकन, पीएम किसान और ई-केवायसी सहित अन्य प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि संबंधित पक्ष को सूचना देने के बाद भी यदि वह निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होता या आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करता है, तो नियमानुसार कार्रवाई कर प्रकरण का निराकरण किया जाए। जनविश्वास



अभियान के दौरान निपटाए गए मामलों की भी नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। पीएम किसान में आधार लिंकिंग की प्रगति पर संतोष जताते हुए कम प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष प्रयास करने तथा ई-केवायसी से

वंचित हितग्राहियों का कार्य समय-सीमा में पूरा कराने को कहा। उन्होंने गोरखपुर तहसील के ऑनलाइन आईडी से संबंधित समस्या का तत्काल समाधान करने के निर्देश भी दिए।

शुक्वार को होगी क्षेत्रीय जांच

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक शुक्वार जन्मविश्वास अभियान के तहत सभी विभागों की टीमों क्षेत्र में जाकर स्कूल, आंगनवाड़ी, कॉलेज, कारखाने, दुकान, बैंक सहित विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण करें। संवेदनशील गतिविधियों, जैसे पटाखा दुकानों की भी जांच की जाए। निरीक्षण के दौरान मिलने वाली शिकायतों और सीएस हेल्पलाइन के प्रकरणों का भी प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक ऐप पर दर्ज कराने तथा सुबह 10 से 10.30 बजे तक कार्यालय में उपलब्ध रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

करौदा नाला क्षेत्र में तीन दिन चलेगा नगर निगम का अभियान, अतिक्रमण हटाकर होगा पौधरोपण



जबलपुर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देश पर नगर निगम द्वारा शहर के नालों से अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों की टीम के साथ मंगलवार को करौदा नाला क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया और स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमणों को हटाने

सुबह निरीक्षण, दोपहर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

कार्रवाई लगातार तीन दिनों तक चलेगी। अतिक्रमण हटाने के साथ ही संबंधित स्थानों पर सघन वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने अधिकारियों को करौदा एवं आसपास के क्षेत्रों के अलावा शहर के अन्य हिस्सों में भी नालों का सर्वे कर अतिक्रमणों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालों को अतिक्रमण मुक्त कराने से दूषित जल एवं वर्षा जल का प्रवाह सुचारु हो सकेगा। एनजीटी के निर्देशानुसार नालों से अतिक्रमण हटाकर वहां सघन वृक्षारोपण किया जाना है। अभियान के दौरान नगर निगम की पूरी टीम मौके पर मौजूद रही।

स्थापना प्रमारी ने मांगा कार्यमुक्त का पत्र रादुविवि में कुलसचिव और कुलगुरु के बीच मतभेद पर मर्जी प्रशासनिक खींचतान

जबलपुर। राणी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 13 कर्मचारियों के नियमितोत्तरण के बाद शुरू हुआ प्रशासनिक विवाद अब और गहराता नजर आ रहा है। कुलसचिव और कुलगुरु के बीच मतभेद की चर्चाओं के बीच विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव (स्थापना) हितेश कोडापे ने स्थापना विभाग के प्रभार से कार्यमुक्त किए जाने के लिए कुलसचिव को पत्र लिखा है। कुलसचिव ने यह पत्र अग्रिम कार्रवाई के लिए कुलगुरु कार्यालय भेज दिया है। बताया जा रहा है कि स्थापना विभाग में पदेन्यति और वरिष्ठता सूची को लेकर लगातार बबन रहे दबाव के बीच सहायक कुलसचिव ने यह कदम उठाया है। विश्वविद्यालय के गलियारों में इस पत्र को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं और प्रशासनिक कामकाज को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। वरिष्ठता सूची को लेकर दबाव का आरोप कुलसचिव को भेजे पत्र में सहायक कुलसचिव हितेश कोडापे ने उल्लेख किया है कि 15 जुलाई को उन्हें स्थापना विभाग का कार्यभार सौंपा गया था। इसके बाद से कर्मचारियों एवं अधिकारियों की पदेन्यति और वरिष्ठता सूची के प्रकाशन को लेकर उन पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा है कि इस दबाव के कारण वे बेहद आहत और मानसिक रूप से दबाव महसूस कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में उन्होंने स्थापना विभाग के प्रभार से कार्यमुक्त होने का अनुरोध किया है। उनका आवेदन 6 अगस्त को प्रस्तुत किया गया,

जिस पर विश्वविद्यालय प्रशासन के उच्च अधिकारियों के नियमितोत्तरण के बाद शुरू हुआ प्रशासनिक विवाद अब और गहराता नजर आ रहा है। कुलसचिव और कुलगुरु के बीच मतभेद की चर्चाओं के बीच विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव (स्थापना) हितेश कोडापे ने स्थापना विभाग के प्रभार से कार्यमुक्त किए जाने के लिए कुलसचिव को पत्र लिखा है। कुलसचिव ने यह पत्र अग्रिम कार्रवाई के लिए कुलगुरु कार्यालय भेज दिया है। बताया जा रहा है कि स्थापना विभाग में पदेन्यति और वरिष्ठता सूची को लेकर लगातार बबन रहे दबाव के बीच सहायक कुलसचिव ने यह कदम उठाया है। विश्वविद्यालय के गलियारों में इस पत्र को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं और प्रशासनिक कामकाज को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। वरिष्ठता सूची को लेकर दबाव का आरोप कुलसचिव को भेजे पत्र में सहायक कुलसचिव हितेश कोडापे ने उल्लेख किया है कि 15 जुलाई को उन्हें स्थापना विभाग का कार्यभार सौंपा गया था। इसके बाद से कर्मचारियों एवं अधिकारियों की पदेन्यति और वरिष्ठता सूची के प्रकाशन को लेकर उन पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा है कि इस दबाव के कारण वे बेहद आहत और मानसिक रूप से दबाव महसूस कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में उन्होंने स्थापना विभाग के प्रभार से कार्यमुक्त होने का अनुरोध किया है। उनका आवेदन 6 अगस्त को प्रस्तुत किया गया,



मानस भवन चौक का नामाकरण राष्ट्रकवि डॉ. मैथिलीशरण गुप्त चौक होने पर गहरी समाज का समारोह आज
जबलपुर। श्री गहोई वैश्य समाज पंचायत जबलपुर राष्ट्रकवि डॉ. मैथिलीशरण गुप्त चौक नामाकरण समारोह का आयोजन आज रविवार, 9 अगस्त को प्रातः 10.30 बजे मानस भवन के समीप प्रतिमा स्थल पर किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जनत बहादुर सिंह 'अन्व', विशिष्ट अतिथि सासद आशीष दुबे, विधायक उत्तर-मध्य क्षेत्र डॉ. अमिलष पाण्डेय, अध्यक्ष नगर निगम सिकुंज विज, एमआईसी सदस्य क्षेत्र डॉ. सुभाष तिवारी, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष एवं पार्षद सुमद्रा कुमारी चौहान वार्ड अमरीश मिश्रा रहेंगे। श्री गहोई वैश्य समाज पंचायत अध्यक्ष इंजी. रामगोपाल ददरया, मंत्री इंजी. अरुण खर्द व समस्त पंचगण तथा विजय सुहने सहित सभी पूर्व अध्यक्ष एवं श्री गहोई वैश्य नारी मण्डल, श्री गहोई वैश्य नवयुवक मण्डल एवं समस्त साहित्यिक व सामाजिक संस्थाएं ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

अमखेरा में गांजे के साथ युवक गिरफ्तार, सप्लायर की तलाश

जबलपुर। गोहलपुर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अमखेरा के चालीस फुट रोड से एक युवक को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 किलो 20 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई गई है। पुछताछ में आरोपी ने गांजा एक अन्य युवक से खरीदकर लाने की जानकारी दी है। पुलिस अब उस सप्लायर की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को गोहलपुर थाना पुलिस चालीस फुट रोड अमखेरा क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान हाथ में थैला लेकर जा रहा एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पुछताछ में उसकी पहचान गोहलपुर बस्ती नंबर एक निवासी 25 वर्षीय रोहित कर्नौजिया के रूप में हुईतलाशी लेने पर उसके थैले में सफेद पत्ती के अंदर गांजा मिला। तौल कराने पर गांजे का वजन 1020 ग्राम निकला। पुछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने यह गांजा पानी की टंकी के पास गोहलपुर निवासी रोहित बेन से खरीदा था और उसे बेचने के लिए लेकर जा रहा था।पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। वहीं नाम सामने आने के बाद पुलिस ने रोहित बेन की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वह हाथ नहीं आया।

श्रीधी और मिल्की मिस्ट घी की सैंपलिंग

जबलपुर। रीवा और इंदौर में घी में मिलावट के मामले सामने आने के बाद जबलपुर में भी खाद्य विभाग ने बाजार में बिक रहे घी की गुणवत्ता को लेकर निगरानी बढ़ा दी है। इसी कड़ी में खाद्य विभाग की टीम ने तिलहरी स्थित डी-मार्ट में अचानक दबिश देकर वहां उपलब्ध विभिन्न कंपनियों के घी की जांच की। कार्रवाई के दौरान टीम ने चार-पांच ब्रांड के घी की पड़ताल की और संदेह के आधार पर श्रीधी तथा मिल्की मिस्ट के नमूने जांच के लिए लिए। खाद्य अधिकारी माधुरी मिश्रा के नेतृत्व में पहुंची टीम ने घी के पैकेटों की जानकारी, बैच नंबर, निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि सहित अन्य जरूरी मानकों की जांच की। इसके साथ ही स्टोर में खाद्य सामग्री के रखरखाव और भंडारण व्यवस्था का भी जायजा लिया गया।

तिलहरी डी-मार्ट में खाद्य विभाग ने की छापेमारी



नमूने अब बताएं घी कितना खरा

खाद्य विभाग द्वारा लिए गए नमूनों को परीक्षण के लिए भोपाल स्थित राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि संबंधित उत्पाद निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सैंपलिंग की कार्रवाई किसी ब्रांड को दोषी ठहराने के लिए नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए की गई है। जांच रिपोर्ट में यदि किसी नमूने में मिलावट अथवा निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाया जाता है तो खाद्य सुरक्षा कानून के तहत संबंधित निर्माता अथवा विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

घी के साथ दूसरे खाद्य पदार्थ भी रडार पर

खाद्य विभाग की नजर सिर्फ घी तक सीमित नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि बाजार में बिकने वाली अन्य खाद्य सामग्री की भी समय-समय पर जांच और सैंपलिंग की जाएगी। रीवा और इंदौर में सामने आए मिलावट के मामलों के बाद विभाग ने विशेष सतर्कता बरतते हुए खाद्य प्रतिष्ठानों की निगरानी बढ़ा दी है।अब निगाहें भोपाल से आने वाली लैब रिपोर्ट पर टिकी हैं। रिपोर्ट में गड़बड़ी सामने आई तो संबंधित उत्पाद और प्रतिष्ठान पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन से जबलपुर एमयू की आय घटने का दावा

जबलपुर। मध्यप्रदेश मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रस्तावित विभाजन को लेकर जनसंगठनों ने आपत्ति जताई है। संगठनों का दावा है कि विभाजन के बाद जबलपुर स्थित मेडिकल यूनिवर्सिटी की वार्षिक आय घटकर करीब 2 करोड़ रुपये रह जाएगी, जिससे विश्वविद्यालय के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो सकता है। जनसंगठनों ने आरोप लगाया कि विभाजन में समान रूप से हिस्से निर्धारित नहीं किए गए हैं, जिससे संविधान के अनुच्छेद 14 को भावना की अनदेखी हुई है। इस संबंध में संभागायुक्त जबलपुर के माध्यम से लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को ज्ञापन भेजकर विभाजन की प्रक्रिया की समीक्षा की मांग की गई। डॉ. पीजी नाजपांडे ने आरोप लगाया कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जल्दबाजी में मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन का प्रस्ताव तैयार कर उसे पारित कराया। उन्होंने कहा कि अब विभागीय अधिकारी विभिन्न जानकारीयों एकत्र कर संक्षेपिका तैयार करने में जुटे हैं, जिससे विभाजन की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस अवसर पर टीके रायघटक, डीके सिंह, संतोष श्रीवास्तव, घनश्याम सोनकर, सुभाष चंद्रा, अशोक नामदेव एवं केसी सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।



केन्ट बोर्ड और प्रशासन ने दुकान पर नोटिस चप्पा किया

गोराबाजार में दो दिन में हटाओ शराब दुकान, नहीं तो सील होगी

जबलपुर। गोराबाजार में नियमों के विपरीत संचालित की जा रही शराब दुकान को लेकर जिला प्रशासन और केंट बोर्ड ने सख्ती शुरू कर दी है। केंट बोर्ड के अधिकारियों ने दुकान पर नोटिस चप्पा कर संचालक को दो दिन में दुकान हटाने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में दुकान नहीं हटाने पर तालाबंदी कर उसे सील करने की चेतावनी दी गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मुख्य मार्ग से लगी बस्ती में शराब दुकान खोले जाने के बाद से ही इसका विरोध किया जा रहा है। विरोध में गोराबाजार बाजार भी बंद कराया गया था। शिकायतों के बाद प्रशासन ने मौके पर जांच की, जिसमें दुकान धार्मिक स्थल से निर्धारित दूरी के मानक पर खरी नहीं उतरी।

बिलहरी के लाइसेंस पर गोराबाजार में खोल दी दुकान

केंट बोर्ड के नोटिस के अनुसार आबकारी विभाग ने एफएल बिलहरी टू पीएस बरेला के नाम से शराब दुकान संचालन का लाइसेंस जारी किया था, लेकिन लाइसेंसधारी आकर्ष जायसवाल ने दुकान गोराबाजार स्थित एक मकान में संचालित कर दी। गोराबाजार संघर्ष समिति के पवन कर्नौजिया, नकुल गुप्ता और पवन यादव सहित अन्य लोगों ने इस संबंध में ज्ञापन दिया था। रांशी तहसीलदार की जांच में धार्मिक स्थल से दूरी सहित अन्य नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई।

पुस्तकों ने दी लेखनी को दिशा, समाज को दर्पण दिखाना ही साहित्य का उद्देश्य: अविनाश ब्यौहार

अनुरोध पट्टेरिया

जबलपुर। राष्ट्रीय बुक लवर्स डे के अवसर पर हिंदी गजल और नवगीत के सशक्त हस्ताक्षर अविनाश ब्यौहार ने कहा कि पुस्तकों ने ही उनकी लेखनी को दिशा दी और साहित्य का उद्देश्य समाज को दर्पण दिखाना है। महाअधिवक्ता कार्यालय में पदस्थ ब्यौहार अपनी चर्चित कृतियों 'कोयल करे मुनादी' और 'पोखर ठोंके दावा' के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों और कुरीतियों पर प्रभावी हस्तक्षेप करते रहे हैं। ब्यौहार बताते हैं कि बचपन से ही साहित्यिक पत्रिकाएं, सामाजिक और जासूसी उपन्यास वे तल्लीनीता से पढ़ते थे। पहले के दौरान चिंतन-मनन की आदत ने उन्हें लेखन के लिए प्रेरित किया। उनकी पहली रचना वर्ष 1981-82 में युगधर्म और अन्य समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थी। वे मानते हैं कि मुंशी प्रेमचंद, फणीश्वर नाथ रेणु और गोपालदास नीरज जैसे साहित्यकारों ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। साथ ही ईसाक अस्क, डॉ. हरीश निगम, मधुप पांडे, अशोक चक्रधर और दुष्यंत कुमार का प्रभाव उनकी लेखनी पर विशेष रूप से दिखाई देता है। अविनाश ब्यौहार कहते हैं कि उन्हें साहित्य की सभी विधाएं प्रिय हैं, हालांकि नवगीत की ओर



उनका झुकाव अधिक है। उनके अनुसार लेखन किसी तय कार्यक्रम से नहीं, बल्कि मनःस्थिति और परिस्थितियों से जन्म लेता है। कविता लिखने के बाद जो आत्मसंतुष्टि मिलती है, वही लेखक की सबसे बड़ी पूंजी है। वे साहित्य में प्रभावशाली अभिव्यक्ति और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को आवश्यक मानते हैं। हिंदी गजल के भविष्य पर उनका स्पष्ट मत है कि उसका भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है। वे बताते हैं कि हिंदी और उर्दू गजल एक ही मापनी पर लिखी जाती हैं, किंतु हिंदी में छंदों का संसार और अधिक विस्तृत है। नई पीढ़ी के रचनाकारों को वे उत्कृष्ट साहित्य पढ़ने, छंदों और उर्दू



बहर/मीटर का गंभीर अध्ययन करने की सलाह देते हैं। ब्यौहार स्वयं नवगीत, हिंदी गजल, दोहा, कुंडलियां और लघुकथा का सतत अध्ययन करते हैं। उनके निजी संग्रह में लगभग तीन लाख रुपये मूल्य की पुस्तकों की लाइब्रेरी है, जिसमें साहित्य की लगभग सभी प्रमुख विधाओं की पुस्तकें उपलब्ध हैं। कार्यालयीन व्यस्तताओं के कारण वे अनेक साहित्यिक सम्मान समारोहों में शामिल नहीं हो पाए, फिर भी साझा संग्रहों और विभिन्न साहित्यिक मंचों से उन्हें लगभग 80 सम्मान पत्र प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनका एक साझा

लघुकथा संग्रह शीघ्र प्रकाशित होने वाला है और उनकी कुछ लघुकथाओं का चार भाषाओं में अनुवाद भी किया जा चुका है। वे जबलपुर की साहित्यिक संस्थाओं कादंबरी, विश्व वाणी हिंदी संस्थान और प्रसंग से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। जबलपुर की साहित्यिक परंपरा को उल्लेख करते हुए अविनाश ब्यौहार कहते हैं कि यह शहर साहित्यकारों का गढ़ है। यहां पिंपल शास्त्री, आचार्य, गजलकार, नवगीतकार, दोहाकार और व्यंग्यकारों की समृद्ध परंपरा रही है। ऐसे नगर के बारे में कुछ कहना मानो सूरज को दिया दिखाने जैसा है।

शिवभक्त कांवड़ियों की 37वीं कांवड़ यात्रा बाबा बैद्यनाथ धाम रवाना

कमलेश अग्रवाल के नेतृत्व में 130 किमी की पदयात्रा कर पहुंचेंगे देवघर

जबलपुर

संस्कारधानी से शिवभक्त कांवड़ियों की 37वीं कांवड़ यात्रा वरिष्ठ भाजपा नेता एवं नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल के नेतृत्व में 103 कांवड़ियों के साथ बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हुई। यात्रा के प्रस्थान अवसर पर सांसद आशीष दुबे, विधायक अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, लेखराज सिंह सहित बड़ी संख्या में आमजन जबलपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे और कांवड़ियों को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। कमलेश अग्रवाल ने बताया



कि यात्रा के दौरान कांवड़ यात्री काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी में दर्शन-पूजन

के बाद सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर करीब 130 किलोमीटर की नंगे पैर पदयात्रा करते हुए बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर पहुंचेंगे और भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद सभी कांवड़िए बाबा बासुकीनाथ धाम, दुमका पहुंचकर भगवान बासुकीनाथ को जल अर्पित करेंगे। अग्रवाल ने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार बाबा बैद्यनाथ एवं बाबा बासुकीनाथ के दर्शन के बाद कांवड़ यात्रा पूर्ण मानी जाती है। जबलपुर से पिछले 37 वर्षों से निरंतर यह कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने भगवान भोलेनाथ से यात्रा की सफलता, सुरक्षा एवं मंगलमय होने की प्रार्थना की।

वरुण देवता सिंधुजनों के आराध्य देव : स्वामी अशोकानंद



524 से अधिक विद्यार्थियों को वितरित की निःशुल्क कॉपियां



रोटरी क्लब जबलपुर साउथ ने लाल स्कूल सदर के विद्यार्थियों को बांटी कॉपियां

जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर साउथ द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सेवा कार्यों को आगे बढ़ाते हुए नवीन कैंट हायर सेकेंडरी स्कूल, लाल स्कूल, सदर में कॉपी वितरण कार्यक्रम के पांचवें चरण का आयोजन किया गया। इस दौरान 524 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपियां वितरित की गईं। कार्यक्रम में रोटरी क्लब जबलपुर साउथ के अध्यक्ष रोट. अखिल खंडेलवाल ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए मेहनत, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर रोट. अमरेंद्र नारायण, सचिव रोट. आशीष गुप्ता, रोट. अविनाश जैन, अतुल राजपूत, शाला प्राचार्य विजय कु. परोह, उप प्राचार्य ऋचा पाण्डेय एवं शिक्षिका साधना मिश्रा सहित शिक्षकगण एवं गुरुजन उपस्थित रहे।

‘हर घर तिरंगा अभियान-2026’ में सहभागी बनकर मनाएं स्वतंत्रता दिवस

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद केंरियर मार्गदर्शन योजना एवं प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल रक्षाशीर्ष अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ‘हर घर तिरंगा अभियान-2026’ का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों में तिरंगे के प्रति सम्मान, गौरव एवं देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना है। संभागीय समन्वयक प्रो. उदयग शुक्ल ने बताया कि भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार 9 से 17 अगस्त 2026 तक अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत तिरंगा कला एवं प्रदर्शनी, तिरंगा रंगोली, एक्जोलेटरी, संगीत कार्यक्रम एवं कुक्कुड़ नाटक सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के आयोजन भी किए जाएंगे। प्राचार्य डॉ. अलंकेश चट्टोपेदी ने बताया कि जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों को अभियान की



गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करने के साथ तिरंगा यात्रा, जानरक्षता कार्यक्रम एवं राष्ट्रभक्ति से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं उचित उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी। इस अवसर पर डॉ. राजेश शानकुर्वर, डॉ. रामेश्वर झरिया, डॉ. राहुल पटेल एवं डॉ. महेंद्र कुमार कुशवाहा उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्रबंधन ने नागरिकों से ‘हर घर तिरंगा अभियान-2026’ में सहभागी बनकर स्वतंत्रता दिवस की राष्ट्रीय गौरव एवं उत्साह के साथ मनावे की अपील की।

श्रीमत् सतरूपा देवी शर्मा- सीओडी कॉलोनी सुहागी निवासी श्री भगवान दास शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सतरूपा देवी शर्मा (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती सरस्वती बाई चक्रवर्ती- बदनपुर शक्तिनगर निवासी श्री जेटू लाल चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती बाई चक्रवर्ती (103) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री सुरेंद्र नाथ पांडे- जमतरा



कुड़रिया निवासी श्री सुरेंद्र नाथ पांडे (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सुदामा मंगलानी- गोपाल होटल द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री सुदामा मंगलानी (50)

हरिभूमि
विजी./श्रेष्ठ/उत्तरावन, पगड़ी रम, पुण्यतिथि
संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अप कावज
400/-
प्रति कलापन हे.मि.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग-9303408294, 9407362160

विजय साइज:- 18x से.मी.
वैकल्पिक साइज:- 300/-
विजय साइज:- 18x से.मी.
टैगलिन 400/-
विजय साइज:- 18x से.मी.
टैगलिन 1100/-

9 से 15 अगस्त तक चलेगा ‘हर घर तिरंगा’ अभियान

भाजपा की मासिक बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर की मासिक बैठक भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने के लिए आयोजित हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि ‘हर घर तिरंगा’ अभियान केवल घर-घर तिरंगा फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति निष्ठा, गौरव एवं राष्ट्रभक्ति की सामूहिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने नागरिकों से अपने घर, प्रतिष्ठान एवं संस्थानों पर सम्मान एवं गरिमा के साथ तिरंगा फहराने की अपील की। बैठक में जिला प्रमारी एवं पूर्व सांसद आलोक संजय, विधायक अभिलाष पांडे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुज बिज, महामंत्री रंजीत पटेल एवं अमित सोनू बचवानों उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया कि 9 से 15 अगस्त तक बूथ स्तर पर ‘हर घर तिरंगा’ अभियान चलाया जाएगा। 12 अगस्त को वंदे मातरम् चौक से महानगर स्तरीय तिरंगा यात्रा, 13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्रा तथा 14



अगस्त को शहीद स्मारकों पर माल्यार्पण एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया जाएगा। इसी दिन विमानन विर्मर्षिका दिवस पर मौन जुलूस, प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी भी होंगी। उन्होंने तिरंगा अभियान में वरिष्ठ नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा मंडल स्तर पर मासिक बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। पूर्व सांसद एवं जिला प्रमारी आलोक संजय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहा ‘हर घर तिरंगा’ अभियान नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम, शहीदों के बलिदान एवं राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। बैठक में भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रमारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के प्रमुख उपस्थित रहे।

बोलेंदो पिकअप वाहन के साथ 200 पाव अवैध शराब जप्त

बरेला। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को 200 पाव देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब परिवहन में इस्तेमाल बोलेंदो पिकअप भी जप्त की है। पुलिस के अनुसार 7 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर ओम सिटी कॉलोनी, जबलपुर रोड पर दक्षिण दि गई। यहां बोलेंदो क्रमांक एमएफ 10 जी 2170 में शराब लेकर खड़े 22 वर्षीय अमित चकवर्ती निवासी गंज मोहल्ला बरेला को घेराबंदी कर पकड़ा गया। वाहन की तलाशी में चार कार्टून में 200 पाव देशी शराब मिली। पूछताछ में आरोपी ने शराब शुभम पटेल, निवासी बहलवाला बरेला के कहने पर बिर्की के लिए ले जाना बताया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(1), 42 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये आरोपी शुभम पटेल की तलाश शुरू कर दी है।

यश नर्सरी स्कूल में एआई आधारित स्मार्ट एजुकेशन सिस्टम का शुभारंभ

जबलपुर।

यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को एआई आधारित स्मार्ट एजुकेशन सिस्टम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय पार्षद विमल राय रहे, जबकि अध्यक्षता संस्था संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी ने की। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती सोनल तिवारी, पालक शिक्षक संघ के प्रतिनिधि, शिक्षकगण एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

स्मार्ट एजुकेशन सिस्टम के माध्यम से विद्यार्थियों को 3डी मॉडल, विजुअल कंटेंट, इंटरैक्टिव लर्निंग एवं एआई आधारित शिक्षण की सुविधा मिलेगी, जिससे कठिन विषयों को दृश्य एवं व्यावहारिक तरीके से समझने में मदद मिलेगी। संस्था संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी ने कहा कि आधुनिक तकनीक के साथ शिक्षा का समन्वय विद्यार्थियों को अविष्य की तकनीकों से जोड़ने में सहायक होगा। मुख्य अतिथि विमल राय ने विद्यालय की पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा में तकनीक



का प्रभावी उपयोग विद्यार्थियों को बदलते समय के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

आबकारी विभाग ने अवैध मदिरा व महुआ जल कर किया नष्ट

सिडहोरा। मदिरा के अवैध विक्रय संग्रहण परिवहन की सूचना पर कोलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन , सहायक आबकारी आयुक्त संजीव कुमार दुबे के मार्गदर्शन में वृत्त सिडहोरा के ग्राम बैला एवं धमकी गोसलपुर में अलग-अलग स्थानों पर दक्षिण की कार्रवाई की गई, जिसमें 30 लीटर हाथ मूड़ी कच्ची शराब एवं 900 किलोग्राम महुआ लाहान बरामद कर सेपल लेकर मौके पर नष्ट किया गया। आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) (क) (रा) के तहत कुल 07 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। कार्यवाही के दौरान वृत्त प्रमारी आर एस. मरावी आबकारी उपनिरीक्षक, रविंद्र कुरील, नरेंद्र उइके, कुश प्रताप मिश्रा आबकारी मुख्य आक्षेपक संत लाल मरावी, जोतिवेंद्र मरावी एवं आबकारी आरक्षक अशोक सिंह बघेल, झानेंद्र सिंह, अमिता केसरवानी एवं मयंक बागड़ उपस्थित रहे।



16वें वर्ष में प्रवेश करेगी संस्कार कांवड़ यात्रा दादागुरु के सानिध्य में सवा लाख कांवड़िए देंगे राष्ट्र आराधना, प्रकृति प्रेम और सगुण उपासना का संदेश

जबलपुर। राष्ट्र के हृदय नगर संस्कारधानी में 15 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुई संस्कार कांवड़ यात्रा अब 16वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। महायोगी अवधूत दादागुरु के पावन सानिध्य में आयोजित होने वाली इस यात्रा में सवा लाख कांवड़ियों के शामिल होने का दावा किया गया है। यात्रा का उद्देश्य राष्ट्र आराधना के साथ प्रकृति प्रेम, पर्यावरण संरक्षण एवं समाजन संस्कृति का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। संस्कार कांवड़ यात्रा को गैल्वन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से भी सम्मनित किया जा चुका है।

संस्कार कांवड़ यात्रा की विशेषता यह है कि कांवड़िए एक ओर मां नर्मदा का जल और दूसरी ओर देव वृक्ष लेकर चलते हैं। ‘प्रेम, प्येड और पानी मानव जीवन की निशानी’ का संदेश देते हुए कांवड़िए भगवान शिव की सगुण उपासना करेंगे। यात्रा का शुभारंभ कैलाश धाम मटामर स्थित प्राचीन एवं सिद्ध तीर्थ क्षेत्र में होगा, जहां नर्मदेश्वर महादेव के दरबार में जलाम्बिक के साथ देव वृक्षों की स्थापना की जाएगी। आयोजकों के अनुसार 10 अगस्त, सोमवार को सुबह 7 बजे सिद्धघाट ग्वाराघाट से मां नर्मदा एवं भगवान शिव के दुग्धाम्बिक तथा कांवड़ पूजन के बाद यात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा रामपुर चौक, छोट्टी लाइन्स फाटक, शास्त्री बिज, तीन पत्ती, मालवनी चौक, लॉर्डगंज, बड़ा फुहारा, सरापा,



लकड़गंज, बैलबाग, घमापुर, कांवघर चौक, सतपुरा, गोकुलपुर, रांझी एवं खमरिया स्टेट होते हुए करीब 35 किलोमीटर की दूरी तय कर कैलाश धाम मटामर पहुंचेंगी। यहां अखिलेश्वर महादेव का जलाम्बिक किया जाएगा। प्रेसवार्ता में यात्रा संयोजक शिव यादव, अध्यक्ष नीलेश रावल, जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं भारत सिंह यादव ने यात्रा की जानकारी दी। इस अवसर पर समिति के राजेश यादव, राजेंद्र मिश्रा, कमलेश सिंह, पवन यादव, गौरैया यादव, धर्मेन्द्र नामदेव, प्रमोद पाठक, रामरतन यादव, महेश पसीने, संदीप वर्मा, प्रो. अजित्य फाटक एवं वेदेंद्र तिवारी, सौरभ चौरसिया सहित अनेक पदाधिकारी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयोजकों ने श्रद्धालुओं एवं विभिन्न संगठनों से यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान किया।

‘चालीस व्रत महोत्सव’ में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, गूंजे पंजड़ा भक्ति गीत

जबलपुर। सिंधी समाज के आस्था पर्व ‘चालीस व्रत महोत्सव मेला’ में शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान झूलैलाल की बहराणा दीप, अक्षत एवं सिंदूर से सजी थालियां सिर पर रखकर श्रद्धालु पारंपरिक पंजड़ा भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। महिला-पुरुषों के साथ बालक-बालिकाओं ने भी उत्साहपूर्वक आयोजन में सहभागिता की।

पारंपरिक मंदिर में भगवान श्री झूलैलाल जी का अभिषेक स्वामी

अशोकानंद महाराज एवं स्वामी प्रदीप महाराज ने मंत्रोच्चार के साथ किया। इस दौरान सिंधी समाज के श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। युवा पीढ़ी ने चाचर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए स्वामी अशोकानंद (भक्तिधाम) ने कहा कि भगवान झूलैलाल को वेदों में वर्णित जल देवता वरुण देवता का अवतार माना जाता है। उन्होंने कहा कि वरुण देवता सिंधुजनों के आराध्य देव हैं। स्वामी प्रदीप महाराज ने उडेरोलाल के नाम की व्याख्या करते हुए जल

पूजा की प्राचीन परंपरा और सिंधी समाज में उसके महत्व पर प्रकाश डाला।

आयोजन में विधायक अशोक रोहाणी, मोतीलाल पारवानी, उद्धवदास पारवानी, दिलीप तलरंजा, राम आहूजा, जेतनंद खत्री, राजकुमार कंधारी, रमेश आहूजा, लक्ष्मीचंद खेमानी, अमित रावलानी, जितेश पारवानी, गोविन्द हीरानी, प्रकाश आहूजा, राजा सावलानी, कमलेश वासवानी, उमेश बुधानी, विजय पंजवानी, कैलाश वासवानी, विल्लू हीरानी, कीर्ति छतानी, गोपीचन्द्र खत्री सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

शारदा नगर में विकास कार्यों के लिए नवयुवक मंडल ने सरपंच आशीष शुक्ला का किया सम्मान

बरेला।

ग्राम पंचायत शारदा नगर रिछाई में निरंतर हो रहे विकास कार्यों और पेयजल व्यवस्था में सुधार को लेकर ग्राम के नवयुवक मंडल ने सरपंच आशीष शुक्ला का फूलमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से पेयजल समस्या से जूझ रहे ग्राम में भीषण गर्मी के दौरान शासन की पेयजल आपूर्ति योजना का बेहतर संचालन कर लोगों को राहत पहुंचाई गई। इसके अलावा ग्राम में विद्युत व्यवस्था, सड़क निर्माण, रंगमंच निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य कराए गए हैं। नवयुवक मंडल ने पंचायत की समुचित व्यवस्थाओं एवं विकास कार्यों के लिए सरपंच आशीष शुक्ला का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जगू परस्ते, सोनू श्रीवास्तव, सुनीा झरिया, सुर्दे यादव, पप्पू विश्वकर्मा, गजू ठाकुर, निप्पू कोरी, संजु झरिया, जगन गौराठिया, सोनसिंह ठाकुर, सत्तू परस्ते, दिनेश झरिया एवं राहुल झरिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रफी-किशोर के सदाबहार गीतों से सजी ‘सलामत रहे दोस्ताना हमारा’ की सुरमयी शाम



जबलपुर। श्री राधे कराओके क्लब एवं रेगुला न्यूजिक एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में शहीद स्मारक स्थित ऑडिटोरियम में सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक मोहम्मद रफी के किशोर कुमार के सदाबहार गीतों से सजी संगीतमय शाम ‘सलामत रहे दोस्ताना हमारा’ का मय आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों ने उपस्थित होकर पूरेने पिल्ली गीतों की मधुर यादों का आनंद लिया। कार्यक्रम की संयोजिका सुश्री संगीता ठाकुर एवं निर्देशक मास्टर शक्ति श्री आलोक वर्मा रहे। संगीत की बानाडोर मिथिलेश बासु ने सिद्धांत, जबकि संचालन अनिल श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आलोक वर्मा के सुमधुर भक्ति गीत से हुआ। इसके बाद रफी और किशोर कुमार के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को तालियों से गुंजा दिया। कार्यक्रम में रजनी पांडे, रेखा राजपूत, योगेश प्रधान, संजय महु, पूजा बाजे, सुनीता मोले, गौरव श्रीवास्तव, दिव्या पटका, सौरभ श्रीवास्तव, तनुश्री, सुबल सोम, राजेश श्रीवास्त, सपना शर्मा, आरंज मिश्रा, रंजीत राज, प्रकृति विश्वास, संगीता ठाकुर एवं आलोक वर्मा ने अपनी प्रस्तुतियों से खूब वाहवाही बटोरी। मुख्य अतिथियों में वरिष्ठ पत्रकार वैदव्य महु, हास्य कलाकार के.के. नाइक, परसूराम पटेल, प्रख्यात चिकित्सक डॉ. गोपाल सोन, सचेंद्र नेमा, एडिशनल इस्पी सुर्कांत शर्मा एवं डॉ. अजय वर्मा उपस्थित रहे। आयोजकों की शान्ति, श्रीफल एवं पुष्पमाला से स्वागत-सम्मान दिया। रफी और किशोर कुमार के अजर गीतों ने श्रोतओं को संगीत के स्वर्णिम दौर की यादों में पहुंचा दिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन सदाबहार संगीत से नई पीढ़ी को जोड़ने के साथ शहर की सांस्कृतिक एवं संगीत गतिविधियों को बढ़ावा देने का माध्यम हैं। यह संगीतमय शाम कलाकारों और संगीत प्रेमियों के लिए यादगार बन गई।

सालीवाड़ा स्कूल का जनपद सीईओ ने किया औचक निरीक्षण



बरेला। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय पांडे ने टीम के साथ पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाड़ा गौर का औचक निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान हायर सेकेंडरी विंग में 86 प्रतिशत तथा नर्सरी से माध्यमिक विंग में 81 प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति पाई गई। सीईओ विनय पांडे ने कक्षाओं में अध्ययन कार्य का निरीक्षण किया। टीम ने लाइब्रेरी, लैब, साफ-सफाई एवं शौचालयों की व्यवस्थाएं देखीं, जो सभी स्तर पर दुर्दस्थ मिलीं। मध्यान्ह भोजन मेनू के अनुसार पाया गया तथा टीम ने भोजन ग्रहण कर उसकी गुणवत्ता भी अच्छी पाई। विद्यालय में शत-प्रतिशत शिक्षकों की हमारे शिक्षण ऐप पर उपस्थिति, साइकिल वितरण एवं पाठ्य पुस्तक वितरण पाया गया। इस दौरान प्राचार्य श्रीमती आभा वानखेड़े ने पांच जर्जर एवं अनुपयोगी कक्षों के कारण कक्षों की कमी से अवगत कराया। सीईओ ने अतिरिक्त कक्षा के लिए जनपद पंचायत में मांग पत्र भेजने के निर्देश दिए। साथ ही पर्याप्त पेयजल व्यवस्था के लिए बोरवेल हेतु भी मांग पत्र दिया गया।

नाम सुधार सूचना

कमलेश अग्रवाल पिता नरेंद्र लाल अग्रवाल यह घोषणा करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट क्रमांक P 5521034 में मेरा नाम कमलेश अग्रवाल (KAMLESH AGARWAL) 8 जून 2015/05/02/1958 दर्ज है, जो कि गलत है, जबकि मेरा आधार कार्ड में मेरा नाम कमलेश अग्रवाल जिसकी स्पेलिंग (KAMLESH AGRAWAL) 8 जून 2015/05/02/1957 दर्ज है, जो कि सही है। अतः जिसके लिए शपथ पत्र प्रस्तुत है। अतः रजिस्ट्रार मेरे सही नाम व सही जन्मतिथि को आधार करी अनुसार जाना, पहचाना, पढ़ा एवं दर्ज किया जाए।
सही नया नाम, पहचाना, पढ़ा एवं दर्ज किया जाए।
सही अग्रवाल (KAMLESH AGRAWAL)
पता - प्लॉट नं. 57 गोकुल राजन ग्रीन सिटी रोड, जबलपुर।

नाम परिवर्तन सूचना

I, KIRANPAL SINGH & BINA is legally FATHER & MOTHER. Army No- 15749061A, Rank - MAV - Name - KAPIL SINGH RANA , Unit- Signals Records 56 APO , Address - Rahimpur Alawa, Distt- Bulandshahr, State- U.P., Pincode- 245407, राधेधरपूछ निम्नलिखित कथन करता/करती हूँ कि हमारे बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में हमारा नाम का KIRAN PAL SINGH RANA (father) एवं BEENA DEVI (Mother) नाम दर्ज है। जो कि गलत है। वह कि हमारे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में हमारा नाम KIRANPAL SINGH (father) एवं BINA (Mother) दर्ज है। जो की सही है, हमारे नाम को पढ़ा एवं सुना एवं हमारे बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं 79AA 822086 दिनांक 04 /08 /2026, नोटरी, जबलपुर मध्य प्रदेश।

सही नाम:-
पिता का नाम - KIRANPAL SINGH
माता का नाम - BINA
गलत नाम:-
पिता का नाम- KIRAN PAL SINGH RANA
माता का नाम- BEENA DEVI

कार्यालय सभांगीय अधिकारी
सभांग 10 रांझी नगर निगम जबलपुर
क्रमांक स.अधि./10/स्प/2026-27 दिनांक....
भवन नामांतरण सूचना
श्रीमती सीता चौधरी पति महेंद्र चौधरी भवन/भूखण्ड/बखरा नं. 528/54/1 पिन नं. 1004660427 बॉर्ड क्र 62 बाई का नाम भीमराव अम्बेकर वाई के पंजीकृत गृह स्वामी (कंप्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री अनूप सोन पिता श्री बन्धु सेन के स्थान पर क्षेत्रफल भूमि ... भूतल 300 विक्रय पत्र/ दान पत्र/ पंजीकृत नाम/आधार कार्ड के आधार पर पत्र/रिजिस्ट्री ब्रीड/वरीयत नाम/शपथ पत्र /मृत्यु प्रमाण सहस्रति शपथ पत्र /नजूल विक्रय पत्र / नोटारिज विक्रय पत्र/इकरार नाम/अनुबंध पत्र/आधारकार्ड/नॉटरी बंदोबस्त नाम/पारिवारिक व्यवस्था पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा पदम मानन नं. पर नामान्तरण हेतु शारा, नजूल भूमि/भवन में काफ़ी नामान्तरण हेतु आवेदन दिया गया है। जिस किस्सी को उक्त नामान्तरण पर आपत्ति है तो ये इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय सभांग 10 रांझी में प्रमाण पत्र सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
सभांगीय अधिकारी
सभांग क्रमांक 10, रांझी नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (म / स) संभाग क्र.-2 जबलपुर AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFICE			फोन एवं फैक्स नं. 0761-2622333. ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in				
इंडिया गांधी मार्ग, साऊथ सिविल लाईन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001		निविदा सूचना क्र. 22 /व.ले.ली. 2025-26					
निविदा आमंत्रण सूचना		जबलपुर दिनांक 04/08/2026					
निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।							
स. क्र.	टेंडर आई. बी.	कार्य का नाम	आमंत्रण	ढेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
1	2026_PWDRB_526608_pack1	महाराणा प्रताप वार्ड एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड के अंतर्गत बी.टी. एवं सी.सी. मार्गों में सुदृढीकरण का कार्य। (चतुर्थ आमंत्रण)	चतुर्थ	414.89	414890/-	15000/-	06 माह वर्षा ऋतु सहित
2	2026_PWDRB_526611_pack1	उपसंभाग क्र. 1, जबलपुर के अंतर्गत शासकीय आवासीय क्वार्टर्स में सीवर लाईन मरम्मत इत्यादि कार्य।	प्रथम	19.95	40000.00	2000/-	02 माह वर्षा ऋतु सहित
3	2026_PWDRB_526612_pack1	संभाग क्र. 2. जबलपुर के अंतर्गत विभिन्न आवासीय क्वार्टर्स में रीस्टोरेशन एवं स्लेब, फ्लोरिंग, दीवार इत्यादि मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.95	40000.00	2000/-	02 माह वर्षा ऋतु सहित
4	2026_PWDRB_526613_pack1	संभाग क्र. 2 जबलपुर के अंतर्गत शासकीय आवासीय भवनों में विभिन्न मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	प्रथम	19.95	40000.00	2000/-	02 माह वर्षा ऋतु सहित

आज डिजिटल क्रांति के दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत मयानक है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए? सवाल ये भी उठता है कि विदेशी सोशल मीडिया प्लेटफार्म क्या लोकतंत्र के लिए जरूरी है या ये अपना खास एजेंडा लेकर काम करते हैं? कई देशों ने 16 साल तक के बच्चों के अकाउंट बनाने पर रोक लगाई हुई है। ऐसे में क्या हमारे देश में भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए? अगर इन प्लेटफार्म पर शिकंजा कसा जाए तो क्या अभिव्यक्ति की आजादी प्रभावित होगी? सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सशक्त पहलू



विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान

परिस्थितियों में व्यापारिक

हितों से प्रेरित विदेशी

कंपनियों के छद्म

एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया

जाने लगता है तो लोकतंत्र

की यह सच्ची ताकत

अर्थहीन हो जाती है। अगर

जनता की राय को दबाकर

एल्गोरिदम के माध्यम से

किसी विशेष विचार अथवा

विचारधारा को निर्देशित

किया जाता है तो यह लोक

का मत न रहकर डेटा और

विदेशी तकनीक का छद्ममत

बन जाता है। भारत के

अधिकतर प्रमुख सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों

में स्थित उनके मुख्यालयों

से संचालित होते हैं। इन

कंपनियों के लिए भारत जैसे

विकासशील लोकतांत्रिक

देश केवल एक बड़ा बाजार

हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा

प्वाइंट और अरबों का

मुनाफा देते हैं।

आज डिजिटल क्रांति के इस दौर में सूचना के प्रसार में सोशल मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। आम से लेकर खास तक, हर कोई अपनी बात सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से साझा कर रहा है। लेकिन इस चकाचौंध के पीछे की कहानी बहुत मयानक है। इसका प्रभाव केवल आम आदमी पर ही नहीं, बल्कि सीधे राष्ट्रों की संप्रभुता और लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर पड़ रहा है। भारत में काम करने वाली विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां जनमत को अपने मंच के माध्यम से नियंत्रित और प्रभावित करने का कार्य कर रही हैं। सोशल मीडिया की यह बेलगाम ताकत आज के समय में अत्यधिक संवेदनशील राष्ट्रीय प्रश्न बन चुकी है कि क्या लोकतंत्र में किसी विदेशी कंपनी को लोगों की राय प्रभावित करने का हक होना चाहिए?

निष्पक्ष जनमत ही लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत पहलू होता है। जनमत की शक्ति यानी वोट और विचार से ही सरकार का चुनाव, नीति निर्माण और समाज की दिशा तय होती है। जन सामान्य की यह शक्ति अपने तर्कों, विवेक और वैचारिकता से वास्तविकता का धरातल तैयार करती है। किंतु यही जनमत जब बाहरी ताकतों, विशेषकर वर्तमान परिस्थितियों में व्यापारिक हितों से प्रेरित विदेशी कंपनियों के छद्म एल्गोरिदम द्वारा तैयार किया जाने लगता है तो लोकतंत्र की यह सच्ची ताक़त अर्थहीन हो जाती है।

अगर जनता की राय को दबाकर एल्गोरिदम के माध्यम से किसी विशेष विचार अथवा विचारधारा को निर्देशित किया जाता है तो यह लोक का मत न रहकर डेटा और विदेशी तकनीक का छद्ममत बन जाता है। भारत के अधिकतर प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स विदेशों में स्थित उनके मुख्यालयों से संचालित होते हैं। इन कंपनियों के लिए भारत जैसे विकासशील लोकतांत्रिक देश केवल एक बड़ा बाजार हैं, जो इन्हें करोड़ों डेटा प्वाइंट और अरबों का मुनाफा देते हैं। इन कंपनियों का किसी देश की संप्रभुता, लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने से कोई सीधा लेना-देना नहीं, बल्कि अपने व्यावसायिक हितों से रहता है।

एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी

इस खेल में सोशल मीडिया पर क्या ट्रेंड करेगा, कौन सा विचार लाखों लोगों तक पहुंचेगा और किसे दबा दिया जाएगा, यह तय करने वाले एल्गोरिदम पूरी तरह से अपारदर्शी हैं। ये कंपनियां अपने व्यावसायिक लाभ के लिए ऐसे कंटेंट को बढ़ावा देती हैं जो सनसनीखेज हों, धुवीकरण को बढ़ावा दे या समाज में नफ़रत फैलाएं, क्योंकि जितना अधिक विवाद होगा, यूजर का उतना ही अधिक समय उस प्लेटफॉर्म पर बीतेगा और उतना ही मुनाफा कंपनियों को होगा। जब एक विदेशी कंपनी का कोड यह तय करने लगे कि किसी देश के नागरिक क्या सोचें और किस पर बहस करें तो यह वैचारिक गुलामी का एक नया और खतरनाक रूप है। हमारे नागरिक क्या पसंद करते हैं, किस राजनीतिक दल के प्रति उनका झुकाव है, उनकी धार्मिक और सामाजिक मान्यताएं क्या हैं, इन सबका सूझा डेटा विदेशी सर्वर पर स्टोर किया जाता है। इस डेटा का उपयोग करके अत्यंत सटीक मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल तैयार किए जाते हैं और फिर बुनियाद विज्ञापनों तथा प्रोपेगेंडा के माध्यम से जनता की सोच को धीरे-धीरे और सुनियोजित तरीके से मोड़ा जाता है।



स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक

नागरिकों का व्यक्तिगत और सामूहिक डेटा देश के भीतर ही सुरक्षित रहना चाहिए और विदेशी ताकतों को नागरिकों के डेटा का व्यावसायिक या राजनीतिक दुरुपयोग करने की अनुमति किसी भी कोमत पर नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ-साथ स्वदेशी तकनीकी विकल्पों का विकास भी आवश्यक है, क्योंकि जब तक हम तकनीक के लिए पूरी तरह बाहरी ताकतों पर निर्भर रहेंगे, तब तक पूर्ण स्वतंत्रता की कल्पना करना बेमानी होगा। संक्षेप में कहें तो जनमत किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक अंतरात्मा की जीवंत आवाज होती है। यदि उस आवाज को कोड, एल्गोरिदम की गूंज और विदेशी निर्णयों के व्यावसायिक हितों के जरिए कृत्रिम रूप से बदल दिया गया तो हमारी संस्कृति और लोकतंत्र केवल कागज़ों पर सुरक्षित इतिहास हो जाएंगे। अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा के लिए वैचारिक और तकनीकी रूप से एकजुट हो तथा यह सुनिश्चित करें कि हमारा विवेक और भविष्य विदेशी नियंत्रण से पूरी तरह मुक्त रहे।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप

जब विदेशी कंपनियां या उनके मंच पर सक्रिय छिपे हुए हितधारक फेक न्यूज़, बोट अकाउंट्स और लक्षित धुंधाचार अभियानों के जरिए चुनावों के परिणामों को बदल सकते हैं तो यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला है। यदि कोई बाहरी कंपनी धन, तकनीक या एल्गोरिदम के बल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करती है तो वह लोकतंत्र की मूल भावना के साथ सीधा विश्वासघात है। यह सोशल मीडिया के माध्यम से यह विदेशी कंपनियां हमारी संस्कृति, जीवनशैली, भाषा और आर्थिक प्राथमिकताओं को भी गहरे स्तर पर प्रभावित कर रही हैं। विदेशी मंचों पर चलने वाले ट्रेंड्स और नैरेटिव्स धीरे-धीरे स्थानीय संस्कृति और लोक-मूल्यों को हाशिए पर धकेलने का कार्य करते हैं। जो कंपनियां स्थानीय कर कानूनों का पालन करने से कतराती हैं या खुद को देश के कानूनों से ऊपर समझकर मनमाने नियम थोपती हैं, उन्हें किसी भी रूप में नागरिकों के वैचारिक परिदृश्य को नियंत्रित करने की खुली छूट नहीं दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और डिजिटल संप्रभुता दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाते हैं।

विदेशी कंपनियों पर नकेल कसें

इस गंभीर सवाल को उठाने के पीछे यह अभिप्राय बिल्कुल नहीं कि हम सूचना के प्रवाह को पूरी तरह बंद कर दें या वैश्वीकरण के इस दौर में आधुनिक डिजिटल युग से कट जाएं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ज्ञान के प्रसार, विज्ञान के विकास और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अद्भुत और शक्तिशाली साधन हैं। परंतु स्वतंत्रता और अनियंत्रित एकाधिकार में एक बहुत बड़ा अंतर होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि कोई विदेशी निगम अपने व्यावसायिक फायदों के लिए देश के लोकतंत्र को खोखला करता रहे और हम देखते रहें। लोकतंत्र की रक्षा के लिए सरकार को इन विदेशी कंपनियों पर कड़ी नकेल करनी होगी। यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि देश की सीमा के भीतर काम करने वाला हर डिजिटल मत यहां के संविधान, कानूनों और सांस्कृतिक संवेदनाओं का पूर्ण और ईमानदारी से सम्मान करे। इसके साथ ही सोशल मीडिया कंपनियों को इस बात के लिए बाध्य किया जाना चाहिए कि वे पूरी पारदर्शिता बरतें और यह स्पष्ट करें कि उनके एल्गोरिदम किस प्रकार काम करते हैं तथा वे किसी विशेष कंटेंट को क्यों प्राथमिकता देते हैं।

सोशल मीडिया मंचों का नियमन जरूरी



व्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। इसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जागत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्त्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की

सत्ता पर काबिज हुई। इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है,

ज्यादा तबज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है।

जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका एल्गोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है। सैन्दीप



सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन को ज्यादा तबज्जो नहीं देता। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। जैसे ही कोई किसी के चरित्र का हनन करता है, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है।

उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना एल्गोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को

समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं।

वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं, जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

बच्चों के लिए सुरक्षित हो डिजिटल मीडिया



मंथन

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने को लेकर बहस तेज होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया की लत को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ी है। इतना ही नहीं, मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने बच्चों का पढ़ाई, खेलकूद और परिवार के साथ बिताया जाने वाला समय काफी कम कर दिया है। कई बच्चे घंटों रील और गेम में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। इसी वजह से कई देश बच्चों की सोशल मीडिया पहुंच को सीमित करने के लिए नए कानूनों और नियमों पर काम कर रहे हैं।

हाल ही में मलेशिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू कर चुका है। इंडोनेशिया ने भी यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए सख्त नियम लागू किए हैं। इसके अलावा फ्रांस, स्पेन, तुर्की, ग्रीस, डेनमार्क और नॉर्वे भी बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर नए नियमों पर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि 2019 में कोविड महामारी के दौरान बच्चों और किशोरों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के इस्तेमाल में भारी बदलाव आए। कई लोग इस बात से चिंतित हैं कि बच्चे ज़रूरत से ज्यादा समय ऑनलाइन बिता रहे हैं, जिससे उनके मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा है। लगभग बीस साल पहले माईस्पेस और ओकुट, मिक्सट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोकप्रिय थे। तब से अब तक सोशल मीडिया में बड़ा बदलाव आ चुका है। 2006 में फेसबुक के आते ही वह ऑनलाइन गतिविधियों का एक प्रमुख जरिया बन गया। इसके बाद ट्विटर या एक्स आया, फिर 2010 में तस्वीरो पर



यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों-किशोरों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गैमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए? क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों?

कहा है कि सोशल मीडिया की उपलब्धता से कई खतरे पैदा हो गए हैं। उसकी एक रिपोर्ट के अनुसार, तीस देशों में एक तिहाई बच्चों ने कहा है कि सोशल मीडिया पर उन्हें बुलिंग या मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा है और इनमें हर पांच में से एक बच्चे ने स्कूल जाना बंद कर दिया। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि सरकारों को डिजिटल नीतियां बनाते समय बच्चों और किशोरों के लिए सोशल मीडिया से पैदा होने वाले खतरों को ध्यान में रखना चाहिए। भारत में करोड़ों बच्चों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। बता दें, देश में 14-16 साल के लगभग 90 फीसदी बच्चों

सुरक्षित रखना और करोड़ों इंटरनेट यूजरस पर इस नियम को सख्ती से लागू करना बेहद जटिल काम होगा। यह सवाल अब टालने लायक नहीं रहा कि क्या भारत को भी बच्चों के लिए सख्त सोशल मीडिया और गैमिंग नीति की जरूरत है। क्या उम्र सत्यापन को मजबूत नहीं किया जाना चाहिए। क्या कंपनियों को यह जिम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए सुरक्षित हों। जब दूसरे देश यह कर सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं। डिजिटल दुनिया से बच्चों को पूरी तरह दूर करना संभव नहीं है, लेकिन उन्हें बिना सुरक्षा के छोड़ देना भी एक तरह की लापरवाही है।



चुनौती

योगेश के सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के दिनों में मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया कि वीडियो के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकर्ताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है? आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। इसका सरकारात्मक के साथ नकारात्मक प्रभाव भी है। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई, वह छात्रों और पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया। ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठाना स्वाभाविक था। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या भड़काऊ सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है। यहां यह भी समझना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना आपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरैक्शन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और पोसे आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है। फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगों, पहचान की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। ऐसी घटनाएं पॉजिटिव की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर भी लगातार काम करना होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकर्ताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं। इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादस्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोग तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में धुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। मेटा को अपनी कंटेंट मॉडरेशन नीति, अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, बच्चों की सुरक्षा, एल्गोरिदम की पारदर्शिता और शिकायत निवारण व्यवस्था को लगातार मजबूत करना होगा। मेटा या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को प्रतिबंधित करने जैसी कठोर मांगों से पहले उसकी नीतियों, तकनीकी व्यवस्था और कंटेंट मॉडरेशन की स्वतंत्र तथा पारदर्शी समीक्षा जरूरी है। यदि कमियां सामने आती हैं तो उन्हें दूर करने के लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। आक्षिंकार सवाल केवल एक वीडियो के हटने का नहीं है। सवाल उस विश्वास का है, जिसके आधार पर करोड़ों लोग सोशल मीडिया को सूचना का माध्यम मानते हैं। यदि यह भरोसा कमजोर हुआ तो सोशल मीडिया की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं। इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं।

एससीएस मंडलोई ने मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में वर्किंग वूमन हॉस्टल, स्पोर्ट्स पार्क एवं फ्लैटेड इंडस्ट्रीज परियोजनाओं का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज़ ॥ गोपाल

प्रदेश भर में शुक्रवार को एक साथ जन विश्वास अभियान के तहत मंत्रियों, अफसरों ने आम लोगों के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान किया। चार मंत्री अलग-अलग कारणों से कहीं नहीं जा पाए। चैतन्य काश्यप मुंबई में होने की वजह से, विजय शाह सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की वजह से, राज्य मंत्री राधा सिंह धार्मिक यात्रा के कारण और मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर अस्वस्थ होने की वजह से नहीं पहुंच पाए। इसी तरह छिंदवाड़ा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह तथा मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल कार्यक्रम में शामिल हुए। दमोह में तीन मंत्री इंंदर सिंह परमार, धर्मद लोधो तथा लखन पटेल अभियान में शामिल हुए। राजगढ़ में मंत्री गौतम टेटवाल व नारायण सिंह पंवार तथा इंदौर में मंत्री केलशा विजयवागीय व तुलसी सिलावट पहुंचे, जबकि बाकी मंत्रियों के एक-एक जिलों में पहुंचने की खबर है।

एसीएस, पीएस व सचिवों ने भी तय जिलों में निरीक्षण कर समस्याओं का निदान किया

एसीएस मंडलोई मंडीदीप में समस्याएं जानी-

एसीएस नीरज मंडलोई औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप में पहुंचकर समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने निदेशकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ श्रमिकों एवं कार्यरत महिलाओं के लिए बेहतर कार्य एवं आवासीय वातावरण सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसके साथ औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव मंडलोई ने शुक्रवार को मंडीदीप में विकास परियोजनाओं का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।



प्रमुख सचिव डॉ. संजय गोयल।

प्रमुख सचिव ने बच्चों की देखी पढ़ाई, शिक्षकों से लिया सुझाव

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. संजय गोयल ने बच्चों के साथ बैठकर देखी पढ़ाई, शिक्षकों से संवाद कर शिक्षा की गुणवत्ता पर सुझाव दिए। उन्होंने निवाड़ी और टांकमगढ़ जिले के शासकीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण किया। कक्षाओं में जाकर बच्चों के बीच बैठकर पढ़ाई का अवलोकन किया। पाठ्य विषयों पर सवाल पूछे और शिक्षकों से संवाद कर शैक्षणिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान, स्वच्छता, मध्यान्ह भोजन, पुस्तक वितरण और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की।

संचालक खनिकर्म फ्रेंक ए. नोबल पहुंचे बालाघाट

जन विश्वास अभियान-2026 के तहत संचालक खनिकर्म फ्रेंक ए. नोबल ने अधिकारियों के साथ बालाघाट स्थित मांयल भरवेली सभागृह में मैगनीज आधारित उद्योगों के उद्यमियों से संवाद किया। इस दौरान बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित थे। उन्होंने बालाघाट जिले में खनिज मैगनीज उद्योग में नवीन संभावनाओं को देखते हुए खनिज आधारित उद्योगों में विभिन्न विषयों पर उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया।

प्रदेश के सभी निवासियों में को होना निरीक्षण

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों की व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। अभियान में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न नगरीय निकायों का प्रभार सौंप गया है, जो प्रत्येक शुक्रवार मैदानी भ्रमण कर नागरिक सेवाओं, शहरी अधीनस्वचना, स्वच्छता, डिजिटल सेवाओं तथा विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। अभियान ने नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी शिकायतों का मौके पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। विशेष रूप से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं जन शिकायतों के निराकरण, लोक सेवा गारंटी अभियान अंतर्गत सेवाओं के समयबद्ध निस्सारण, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा के लिये विशेष बीएलबीसी बैठकों के आयोजन पर जोर रहेगा। साथ ही पात्र हितवाहियों तक योजनाओं के लाभ की पहुंच सुनिश्चित करने और लक्षित प्रकरणों के त्वरित निपटान के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे।

किसानों का कल्याण ही हमारा लक्ष्य, किसानों से संवाद का उत्सव है बलराम कृषि महोत्सव

खेत में बोहनी से लेकर बाजार में दाम दिलाने तक किसानों के साथ खड़ी है सरकार : डॉ. मोहन

हरिभूमि न्यूज़ ॥ गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार की मंशा है कि प्रदेश के हर किसान के खेत-खलिहान और उनके घरों में समृद्धि आए। किसानों का हर तरीके से कल्याण ही हमारा लक्ष्य है और इसके लिए हम सभी जरूरी प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चलाया जा रहा बलराम कृषि महोत्सव किसानों को खेती-किसानी की नई तकनीकों से जोड़कर उन्हें वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का एक व्यापक अभियान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को सीहोर जिले में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को छिंदवाड़ा से वर्चुअली जुड़कर यहां के किसानों से संवाद किया। सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें हरसंभव सहायता देने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार इस किसान कल्याण वर्ष में किसान हितैषी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ हर किसान तक पहुंचा रही है। किसानों के खेतों में पानी, बिजली, खाद-बीज, कृषि यंत्र पहुंचाने के साथ उनके खातों में फसल बीमा, सम्मान निधि और ब्याज मुक्त ऋण की राशि पहुंचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने सीहोर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव से वर्चुअली जुड़कर किसानों से किया संवाद



किसानों को फसल विविधिकरण को अपनाने के लिए प्रेरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने के साथ आधुनिक खेती, प्राकृतिक खेती और कृषि यंत्रों का विस्तार कर रही है। उन्होंने आय बढ़ाने के लिए किसानों को फसल विविधिकरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन, मत्स्य पालन वर्तमान समय की मांग है, राज्य सरकार इन क्षेत्रों में हर संभव प्रोत्साहन दे रही है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए हमने दुग्ध समितियों का गठन किया

सोयाबीन उत्पादक किसानों की चिंता भावांतर भुगतान योजना से दूर की

सोयाबीन उत्पादक किसानों की चिंता भावांतर भुगतान योजना से दूर की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार श्रीअन्न (कोदो-कुटकी) की एमएसपी पर खरीदी हुई और किसानों को इसका बोनास भी मिला है। किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए पात्र किसानों से मुंग उपार्जन की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है। राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने कहा कि किसानों के हित में अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं। अब यदि किसी किसान की जमीन सड़क, नहर या अन्य शासकीय परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की जाएगी, तो किसान को चार गुना मुआवजा मिलेगा।

छिंदवाड़ा को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में तेज होंगे प्रयास : मुख्यमंत्री

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि स्थानीय उद्यमियों के व्यापार और उद्योगों को प्रोत्साहन सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्थानीय निवेशकों से अपने उद्योगों के विस्तार की दीर्घकालिक योजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक क्षेत्रों में पानी, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा अधोसंरचना विकास सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा जिले में रोजगारपरक उद्योगों, फूड पार्क, बहुफसली प्रसंस्करण इकाइयों, प्राकृतिक खेती तथा पशुपालन को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने छिंदवाड़ा को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में तेजी से प्रयास होंगे। डॉ यादव छिंदवाड़ा जिले में आयोजित उद्यमी और जनप्रतिनिधि संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।



उद्यमियों के सुझावों पर विचार कर कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उद्यमियों से प्राप्त सभी उपयोगी सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले उद्यमियों ने जिले के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के एकीकरण, पीपीपी मॉडल पर ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, एकीकृत कर प्रणाली, प्लैटेड इंडस्ट्री, प्रोसेसिंग यूनिट तथा नवीन तकनीक के उपयोग संबंधी सुझाव दिए। डॉ यादव ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलीटेक्निक से प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार अथवा स्थायी रोजगार से जोड़ने के लिए उनका नियमित फॉलोअप किया जाए। उन्होंने स्टार्ट-अप के तहत स्थापित सीएनजी एवं बायो-नेचुरल प्लांट के उद्यमियों से संवाद कर इकाइयों के संचालन की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का छिंदवाड़ा में अधिकारी-कर्मचारियों ने किया अभिनंदन

सरकार के कामकाज को साकार रूप देने, सुशासन स्थापित करने में अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका है महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज़ ॥ गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र सरकार भी गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों की पदेन्न्ति वर्षों से अटकी थी। हमारी सरकार ने कर्मचारियों को पदेन्न्ति का उनका अधिकार दिलाया।

पदेन्न्ति के लिए सभी प्रक्रियाओं को समय से पूरा करते हुए वर्तमान वर्ष में शेष रह गए अधिकारी-कर्मचारियों की भी पदेन्न्ति सितंबर-अक्टूबर माह में कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को छिंदवाड़ा के एफडीडीआई ऑडिटोरियम में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यों को धातल पर सफल बनाने और सुशासन स्थापित करने में राज्य के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्यमंत्री ने 8 नव नियुक्त शिक्षकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

17 हजार पदों पर नई भर्ती के लिए सूचना जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में शासकीय पदों पर नई भर्तियों की शुरुआत कर दी है। पुलिस विभाग में ही 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है। इसमें 1000 पद इाह्वरों के भी शामिल हैं। स्कूल शिक्षकों के 10 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई है। उच्च शिक्षा विभाग में 7 हजार से अधिक व्याख्याताओं की भर्ती की गई है। मप्र व्यावसायिक शिक्षा मंडल ने विभिन्न विभागों में 17 हजार पदों पर नई भर्ती के लिए सूचना जारी की है। बीते दई साल में एक लाख पदों पर भर्ती की जा चुकी है। अब 2 लाख नई भर्ती करने की प्रक्रिया जारी है।

छिंदवाड़ा से हो रही नई शुरुआत

सोपम ने कहा कि विकास और जनकल्याण के लिए राज्य सरकार दूरगामी विजन के साथ कार्य कर रही है। आज छिंदवाड़ा से एक नई शुरुआत की जा रही है। अब प्रत्येक शुक्रवार को किसी भी दफ्तर में कोई मीटिंग नहीं होगी। सभी अधिकारी जनता के बीच मौजूद रहकर मैदानी स्तर पर शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे। जन विश्वास अभियान में आम नागरिकों की बेहतरी और उन्हें सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मैदानी स्तर पर आने वाली कठिनाइयों का समाधान किया जाएगा।

शादी करने का बनाया अनुचित दबाव, आरोपी गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर दोस्ती पड़ी महंगी

आरोपी ने फोटो-वीडियो किए वायरल



हरिभूमि न्यूज़ ॥ बिलासपुर

सोशल मीडिया पर हुई एक दोस्ती कब परेशानी में बदल जाए, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। ऐसे ही एक मामला छत्तीसगढ़ के तखतपुर थाना क्षेत्र से सामने आया है। इंटरग्राम के जरिए बलोदाबाजार जिले के एक युवक से युवती की दोस्ती हुई। बातचीत बढ़ी तो दोनों के बीच व्हाट्सएप पर भी संपर्क होने लगा। इसी दौरान युवक ने कथित तौर पर युवती के निजी फोटो और वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद कहानी ने नया मोड़ ले लिया। आरोप है कि युवक इन्हीं फोटो और वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर युवती पर शादी करने का दबाव बनाने लगा। युवती ने जब उसकी बात मानने से इनकार किया तो युवक ने कथित तौर पर निजी फोटो और वीडियो वायरल कर दी।

युवती ने पूरा मामला परिजनों को बताया

आरोप है कि युवक युवती को लगातार निजी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देता था और शादी के लिए दबाव बना रहा था। युवती ने जब शादी करने से साफ इनकार कर दिया तो मामला और गंभीर हो गया। युवती के मुताबिक, आरोपी ने धमकी के बाद उसके निजी फोटो और वीडियो वायरल कर दी। इसके बाद युवती ने हिम्मत जुटाकर पूरे मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी और तखतपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए तखतपुर पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया और उसकी तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।



39 मरीजों की पुष्टि, गांव-गांव चल रहा सर्वे

दूरस्थ गांवों में मलेरिया संक्रमण के मामलों से स्वास्थ्य विभाग चिंतित

हरिभूमि न्यूज़ ॥ अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के पहाड़ी और दूरस्थ गांवों में मलेरिया संक्रमण के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ाई है। अब तक 39 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हुई है, हालांकि हालिया जांच में संक्रमण के मामलों में कमी सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति नियंत्रण में होने का दावा किया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार उदयपुर क्षेत्र के पीजीवीटी ग्राम मतरीगा, खरानगर, मुसरडांड, मुकना पहाड़, बारोपहाड़, बकोई और सेमीघोघरा में मलेरिया के मामले सामने आए हैं। 26 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर की ओर से भेजी गई रिपोर्ट में 31 मरीजों के संक्रमित होने की जानकारी दी गई थी। इसके बाद हुई जांच में यह संख्या बढ़कर 39 हो गई।

लैलुंगा थाना क्षेत्र के छपरानी गांव के पास एक खेत में आरोपी ने दिया वारदात को अंजाम, 15 जुलाई की घटना

मां से रेप और 10 महीने की मासूम बेटी की हत्या का राज खुला, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ॥ रायगढ़

जिले में दुष्कर्म और मर्डर के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक महिला और उसकी 10 महीने की बेटी के साथ बेरहमी से दुष्कर्म और मर्डर के आरोप में 65 साल के एक आदमी को गिरफ्तार किया है। यह घिनौना जुर्म 15 जुलाई को लैलुंगा पुलिस स्टेशन के तहत छपरानी गांव के एक दूर के खेत में हुआ था, लेकिन पुलिस ने कई हफ्तों की कड़ी जांच के बाद 6 अगस्त को आरोपी भिखारीराम नागवंशी को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, रायगढ़ पुलिस ने कथित आरोपी पर संदिग्ध चोट के निशानों को ट्रैक करके और फोरेंसिक सबूतों को जोड़कर इस मुश्किल मामले को सुलझाया, जिससे नागवंशी को गिरफ्तार किया गया, जिसने कबूल किया कि जब मां ने उसके हमले का विरोध किया तो उसने पीड़ित पर हमला किया था।



रायगढ़ के एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि 35 साल का विक्टिम, जो कथित तौर पर मेटल हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रही थी, अपनी छोटी बेटी के साथ खेत में रहती थी। उन्होंने कहा कि महिला के कजिन ने 16 जुलाई को लैलुंगा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जब वह गंभीर रूप से घायल मिली और उसकी बेटी मौके पर मरी हुई थी। किसी मारी चीज से हमला होने के बाद महिला के सिर और चेहरे पर उसका गला घोट दिया और हई से वार किया, जिससे उसकी बेटी भी मौत हो गई। हमले के बाद, नागवंशी खेतों के रास्ते अपने किकने पर भाग गया और खून से सनी अपनी धोती बदल ली। उसके खुलासे के दौरान दूई जानकारी के आधार पर, पुलिस ने बाद में दागदार कपड़ा बरामद कर लिया।

सिर और चेहरे पर वार, बेहोश होने पर किया रेप

पुलिस के मुताबिक, आरोपी 15 जुलाई की रात को पीड़िता के घर में घुसा और उसे अपनी बेटी के बगल में सोते हुए पाया। जब उसने उसके रेप की कोशिश का विरोध किया, तो उसने उसके सिर और चेहरे पर हई से तब तक वार किया जब तक वह बेहोश नहीं हो गई, जिसके बाद उसने उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा कि जब बच्ची रोने लगी, तो आरोपी ने कथित तौर पर उसका गला घोट दिया और हई से वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद, नागवंशी खेतों के रास्ते अपने किकने पर भाग गया और खून से सनी अपनी धोती बदल ली। उसके खुलासे के दौरान दूई जानकारी के आधार पर, पुलिस ने बाद में दागदार कपड़ा बरामद कर लिया।



अभी एपीफिस एक ही धुरी पर घूमने के बजाय लड़खड़ाते हुए घूमता है। पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण इस घूमने की स्थिति को बदल देगा। इस घटना से एस्टेरॉयड पर भूकंपीय हलचल हो सकती है। बड़े पत्थर खिसक सकते हैं या छोटे भूस्खलन हो सकते हैं।

एस्टेरॉयड जैसी कुदरत, धातु और वटुना के चक्कर होते हैं जो सूर्य का वक़्त लगाते हैं। ये आकार में छोटे बॉल्डर से लेकर कई किलोग्रामटर चौड़े हो सकते हैं। एस्टेरॉयड का औसत व्यास लगभग 340 मीटर है। यह इस आकार का घुड़ने से सबसे करीब से गुजरने वाले पहला ज्ञात एस्टेरॉयड होगा। एएफ़िडिज के घुड़ने की पास आकर फिर से दूर जाणवा तो इन्हें बदलते गुच्छाकार्षण खालिका का अनुभव टूटने का हलवा, इक्कर टूटने का उम्मीद नहीं है, लेकिन दूर ही खिाव है। इसके दूसरी कक्षा में ले जाणवा, जिसमें सूर्य का चक्कर लगाने में वतर्तना की तुलना में थोड़ा उपाद समय

यूरोपिस जियोस्टेशनरी ऊंचाई के अंदर जरूर होगा, लेकिन यह उस इक्वेटोरियल रिंग से होकर नहीं गुजरेगा जहां जियोस्टेशनरी स्पेसक्राफ्ट होते हैं। नासा का कहना है कि इस घटना से पृथ्वी, अंतरिक्ष यात्रियों या सैटेलाइट्स को कोई खतरा नहीं है।

1980 के दशक में बदल दिया गया था नाम

डेलीएनके के मुताबिक, उत्तर कोरिया में इस सूच को पीने का चलन काफी पुराना है। 1980 के दशक में वहां के तत्कालीन नेता किम इल सोंग ने एक आदेश निकालकर इसका नाम बदल दिया था। उन्होंने डॉंग मींयू सूच का नाम बदलकर डांगोंगी यानी मीठे मंस का सूच रख दिया था। ऐसा इसलिए किया गया था ताकि वहां आने वाले विदेशी पर्यटकों को इसका सही नाम सुनकर अहजता न हो।

इस छोटे से गांव
में मचने वाली है
भयानक
खगोलीय
हलचल!

हस्ता दिन स्पेन में १९१२ के बाद और मुख्य यूरोप में १९९९ के बाद पहली बार पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। यह सूर्य ग्रहण सूर्यास्त के ठीक पहले होगा, जिससे एक अनोखे प्रभाव पैदा होगा। वदमा जैसे ही सूरज को पूरी तरह से ढकेगा दिन का उजाला गायब हो जाएगा। इसके कुछ ही मिनटों बाद जब सूरज ग्रहण से बाहर आएगा तो रोशनी लौटेगी और फिर सूर्य स्थायिक रूप से अस्त होगा। इस तरह लोग एक ही शाम में दो बार अस्त होते हुए देखेंगे, जिसे वैज्ञानिक डबल डॉर्नरस कहते हैं।

सूर्य ग्रहण का रोमांच खत्म भी नहीं होगा कि तब दलते ही आसमान में पर्याप्त उल्कापिंडों का बौछार शुरू हो जाएगा यह हर साल होने वाली उल्कापिंडों का सबसे तेज बौछार का चरम समय होगा। एक ही शाम को पूर्ण सूर्य ग्रहण और उसी रात को तारों की बर्षिश एक साथ होना बेहद दुर्लभ माना जात है। यही वजह है कि खगोल प्रेमी इस मौके को किसी भी कीमत पर गंवाना नहीं चाहेंगे।

अवैलानेसा दे मुन्यो गांव को इस नजारे के लिए सबसे बेहतरीन जगह माना जा रहा है। यहां सूर्य गृहण के सीधे मार्ग में आता है। यहाँ खुले गेहूँ के खेत और पहाड़ियाँ पवित्री क्षितिज को साफ नकारा देते हैं। इसके अलावा गांव में कुत्रिम लाइटों की चकाचौध नहीं है, जिससे रात के आसमान को देखना बेहद आसान हो जाता है। गांव में कोई बड़ा होटल या रेस्टोरेंट नहीं है, लेकिन पास के ऐतिहासिक होटल 2022 से ही पूरी तरह से बंद है।

इस घटना को लेकर गांव के स्थानीय लोगों में भारी उत्साह है। वहाँ पहले गांव छोड़कर शहर जा चुके पुराने निवासी इस खास रात के लिए वापस लौट रहे हैं। ग्रामीणों ने पट्टकों के लिए स्थानीय बेहतरियां जगहें भी ली हैं। स्थानीय निवासी सारा अलबारेज रोड्रिगेज का कहना है कि पास की गुफा के पास जाना सबसे अच्छा रहेगा, जहां से आसपास के पूरे परिदृश्य का विहंगम दृश्य दिखाना देता है।

गांधीनगर। सोशल मीडिया पर गुजरात के मोरबी जिले के वीरपरड़ा गांव का एक हैरान करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक रहस्यमयी कुएं अजीबोगरीब हलचल दिखाई दे रही है। इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया है। कुएं में हो रही रहस्यमयी घटना को देखने के लिए लोगों की भीड़ पड़चुं रही है। राज्य के मोरबी जिले के वीरपरड़ा गांव में रहस्यमयी कुंआ स्थित है। इस कुएं का पानी बीते चार दिनों से समुद्र की लहरों की तरह हिल रहा है। वीरपरड़ा गांव में नेपाल हाईवे के किनारे यह कुंआ स्थित है। कुएं में हो रही हलचल की वजह से लोगों की उत्सुकता बढ़ रही है। इसमें दो दिन पहले भी ऐसी ही हलचल देखी गई थी। इसके बाद फिर बंद हो गई।

कुपे म हा रहा
रहस्यमयी घटना की
जानकारी मिलने के
बाद अधिकारियों ने
लहरों की वजह का
पता लगाने के लिए
जांच के आदेश दिए हैं।
इस रहस्यमयी घटना
का वीडियो सोशल
मीडिया पर तेजी से
वायरल हो रहा है। इसे
देखने के लिए बड़ी
संख्या लोग पहुंचसरहे
हैं। कुपे का पानी अपने
आप समुद्र की लहरों
की हिलता-डुलता दिख
रहा है।

	मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सामन्य मिलाएँ।
	वर्ध के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।
	भगौदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।
	क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।
	नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।
	धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।
	वर्ध के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में निडरिष्टिपण रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
	क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। पाठन से धन की प्राप्ति हो सकती है।
	मता-पाठन में रूचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
	आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।
	कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में सन्तुष्ट रहें।
	शैक्षिक कार्यों में मन लगाना, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

	1		2		3		4		5	6
7					8				9	
		10					11	12		
13					14			15	16	
				17			18			
19	20		21			22		23		24
					25					
26		27		28				29		
		30	31		32		33			
34	35		36						37	
38					39					

1. अहंकार-5
2. शत्रुता, दुश्मनी-4
3. नाच, नृत्य (उर्दू)-2
4. विष्णु का वाहन-3
5. मादा का विलोम-1
10. ईश्वर, शिव-4
11. संज्ञा, संबोधन-2
13. वेग, गति-3
14. महसूल, राहदारी-2
15. अंधकार, अंधेरा-3
17. कुंजी, ताली-2
19. गौलाकार-5
22. इतरता, बेगानापन-5
25. समय, वक़्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अस्थि, सूर्य पृष्ठ-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी, धूल-2
32. नट, बाजीगरी करने वाला-4
34. टेक्स, हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3

38. जो जांचपत्र न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम
ऊपर से नीचे
1. तराजू डंडा, पासा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रूकना, अड़ जाना-3
5. जंगल, खाने का पात्र-4
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी, धन-4
12. बोट, राय-2
16. राजा, महाराजा-3
17. चतुर, चौथा-2
18. हलवा-2
20. पक्षाघात-3
21. तन, देह-2
22. क्षण-2
23. स्मारक-4
24. चोर, लुटेरा-5
25. जैकी क्राफ,
अनिल प्रफ, किमी

फ़िल्म - 5
टूटना, बिखरना-4
पानी से सराबोर-2
कमल, नीरज-3
बादलों की गड़गाड़हट-3
हुट्टी, अवकाश-2
राख, मिट्टी-2

फर्नांडीज का शानदार प्रदर्शन, तोड़ा हार का सिलसिला, अंतिम 16 में एंट्री

कैनेडियन ओपन : लैला ने पांचवीं वरियता प्राप्त नीरा आंद्रीवा को दी मात



एजेंसी ►► मॉन्ट्रियल

यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लैला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को हराया। मीरा आंद्रीवा इस साल फ्रेंच ओपन (रोलैंड गैरोस) की चैंपियन रही हैं। इस जीत के साथ फर्नांडीज ने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 7 हार का सिलसिला भी खत्म कर दिया। फर्नांडीज ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए हार का सिलसिला तोड़ा और अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की। इस जीत के साथ ही 30वीं रैंकिंग वाली फर्नांडीज अब राउंड ऑफ 16 में पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से भिड़ेंगी।

आंद्रीवा के खिलाफ आसानी से बहुत बनाई
फर्नांडीज ने खराब फॉर्म से जूझ रही आंद्रीवा के खिलाफ 6-1, 5-1 तक आसानी से बढ़त बनाए रखी, लेकिन फिर 20 साल की आंद्रीवा ने वापसी की और आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। हालांकि 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान 0-15 पर फोरहेड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और 30वीं सीड फर्नांडीज ने तीन प्वाइंट बाद जीत पक्की कर ली। **फर्नांडीज ने लगाए 8 विनर्स, किए 7 एरर**
मैच के आंकड़े बाएं हाथ की खिलाड़ी की रणनीति के हिसाब से रहे। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में 34 अनफोर्सेड एरर (खिना दबाव के गलतियां) किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज का खेल सधा हुआ था। उन्होंने आठ विनर्स लगाए और सात अनफोर्सेड एरर किए।



मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना : फर्नांडीज

फर्नांडीज ने कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से प्वाइंट नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी कॉबलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। फर्नांडीज ने कहा, मैं खुद से कह रही थी कि बस गेंद को वापस कोर्ट में डालना है। मैंने लगातार अच्छा खेलने और एक के बाद एक शॉट लगाने की काफी प्रैक्टिस की है, और ऐसी रैलियां खेलने की कोशिश की है जिनमें हममें से कोई भी गलती न करे। मैं हमेशा इसी सोच पर वापस आती हूं। मुझे पता है कि मैं ऐसा कर सकती हूं।

अभ्यास मैच : श्रीलंका इलेवन ने पहली पारी 363 रन बनाकर की पारी घोषित

पडिक्कल के शतक से भारत का पलटवार, पंत-जायसवाल फ्लॉप



एजेंसी ►► कोलंबो

टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे पर होने वाले अभ्यास मैच के पहले दिन भारतीय गेंदबाज, जहां बैकफुट पर नजर आए, वहीं दूसरे दिन बड़े-बड़े बैटर्स तो नहीं चले, लेकिन देवदत्त पडिक्कल का बल्ला जरूर गरजा।

भारत के लिए इंजर्ड रहने वाले शुभमन गिल बैटिंग करने नहीं आए तो साईं सुदर्शन भी इंजरी के चलते बैटिंग नहीं कर सके। जबकि जायसवाल, पंत और जुरेल कुछ खास नहीं कर सके। हालांकि, साईं की जगह नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने शतकीय (142 रन) पारी खेली, जिससे भारत ने तीन दिवसीय मैच के दूसरे दिन के अंत तक 8 विकेट पर 357 रन बनाए और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन की टीम ने पहले दिन पहली पारी में 363 रन बनाए थे। अब ये अभ्यास मैच ड्रा की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है और तीसरे दिन भारतीय गेंदबाज फिर से अपना जलवा दिखाना चाहेंगे।

भारत को झटका, सुदर्शन हुए श्रीलंका दौरे से बाहर

श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले शनिवार को भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज साईं सुदर्शन पैर के अंगु्रे में लगी चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए। साईं को स्क्वाड में चुना गया था, लेकिन साथ में जानकारी दी गई थी कि फिट होने पर ही वह खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। साईं सुदर्शन चोट के कारण भारतीय टीम के साथ श्रीलंका नहीं गए थे। बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे। साईं को भारत ए के श्रीलंका दौरे पर चोट लगी

थी। सुदर्शन ने दो टेस्ट मैचों में दो शतक जड़े थे। श्रीलंका ए के खिलाफ दूसरे मैच में उन्हें चोट लगी थी। साईं सुदर्शन से पहले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल का चोटिल होना भी चिंता का विषय है। भारतीय कप्तान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट के कारण श्रीलंका इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच में पहले दिन फील्डिंग के लिए नहीं उतरे। दूसरे दिन वह बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

जडेजा और गुरनूर ने भी खेले हाथ

96 पर भारत का दूसरा विकेट गिरा तो रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और पडिक्कल ने भी जमकर शॉट्स लगाए। साईं सुदर्शन के इंजर्ड होने पर नंबर तीन पर खेलने वाले पडिक्कल ने 121 गेंद में 14 चौके से 103 रन की शतकीय पारी खेली और बाकी बल्लेबाजों को मौका देने के चलते रिटायर्ड आउट होकर मैदान से बाहर चले गए। जबकि जडेजा भी 63 रन बनाकर बिना आउट हुए मैदान से बाहर चले गए थे। इसके बाद लेकिन ऋषभ पंत (2), ध्रुव जुरेल (1) कुछ खास नहीं कर सके, तो मानव सुथार ने 41 रन की पारी खेली। भारत के एक

समय 256 पर 8 विकेट गिर गए थे, तो फिर से पडिक्कल मैदान में आ गए और उन्होंने 103 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। इसके बाद अंत में गुरनूर बरार बैटिंग करने आए और उन्होंने दिन के आखिरी ओवर में लगातार चार छक्के उड़ा दिए, जिससे भारत ने दूसरे दिन के अंत तक आठ विकेट पर 357 रन बनाए और 18 गेंद में 36 रन बनाकर बरार, तो 142 रन बनाकर पडिक्कल नाबाद रहे। इस तरह टीम इंडिया दूसरे दिन के अंत तक श्रीलंका क्रिकेट इलेवन से पहली पारी के आधार पर सिर्फ छह रन ही पीछे रही।

खबर संक्षेप



डेविस कप : दक्षिण कोरिया से क्वालीफायर खेलेगा भारत
नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया 18 और 19 सितंबर को भारत के खिलाफ डेविस कप दूसरे दौर के क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। भारत इस समय डेविस कप रैंकिंग में 19वें और कोरिया 16वें स्थान पर है। कोरिया का भारत के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 6-5 का है। भारतीय टीम का चयन 10 अगस्त को किया जाएगा। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला एक दशक पहले हुआ था जब भारत ने चंडीगढ़ में एशिया ओशियाना ग्रुप एक के मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की थी। दूसरे दौर में विजयी रहने वाली टीम नवंबर में होने वाले अंतिम आठ मुकाबले में जगह बनाएगी। कोरिया 2022 और 2023 में 16 टीमों के डेविस कप फाइनल में पहुंच चुका है।

1 करोड़ हुई लदाख मैराथन की पुरस्कार राशि



लेह। लद्दाख मैराथन की पुरस्कार राशि 1 करोड़ रुपए कर दी गई है। आयोजकों ने यह घोषणा की। लद्दाख मैराथन 10 से 13 सितंबर तक आयोजित की जाएगी और इसमें लगभग 10000 धावकों के भाग लेने की संभावना है। आयोजकों ने कहा, 'इस वर्ष इस प्रतियोगिता में भारत के 28 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों के धावक भाग लेंगे। इसके अलावा दुनिया भर के धावक भी इसमें अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।' केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रशासनिक सचिव संजीत रोड्रिग्स ने कहा, 'केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल ने पुरस्कार राशि को बढ़ाकर एक करोड़ रुपए करने का फैसला किया है।

अम्बिता ने फाइनल में बनाई जगह

कोरिया मास्टर्स : सेमीफाइनल में हमवतन रक्षिता को हराया

एजेंसी ►► आसन

अम्बिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21-13, 16-21, 21-13 से हराकर पहली बार बोडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

तीन महीने चोट के कारण कोर्ट से बाहर रही

■ खिताब के लिए कियान शी से भिड़ेंगी चालिहा

26 वर्ष की चालिहा मकाउ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। क्वार्टर फाइनल में दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी जापान की हिना अकेची को हराकर वह सेमीफाइनल में पहुंची थी। रक्षिता ने क्वार्टर फाइनल में तन्वी शर्मा को हराया था। विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा अब खिताब के लिए चीन की हान कियान शी से भिड़ेंगी।



चालिहा ने की आक्रामक शुरुआत

चालिहा ने आक्रामक शुरुआत की और पहले ही गेम में 6-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक हासिल कर 13-6 की बढ़त बना ली और फिर यह गेम अपने नाम करने में देर नहीं लगाई। रक्षिता ने हालांकि दूसरे गेम में बहुत अच्छी वापसी की। उन्होंने इस गेम में शुरू से लेकर आखिर तक बढ़त बनाए रखी और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। चालिहा ने तीसरे गेम में शानदार शुरुआत की और अपने करारे स्मैश के दम पर जल्दी ही 9-1 की बढ़त बना ली। इस बीच रक्षिता ने कुछ गलतियां की, जिसका चालिहा ने पूरा फायदा उठाया। हैदराबाद की रहने वाली रक्षिता ने स्कोर का अंतर 7-12 तक कर दिया, जिसके बाद चालिहा ने फिर से अपनी लय हासिल करके स्कोर 15-7 कर दिया। चालिहा ने इसके बाद नौ मैच प्वाइंट हासिल किए और दो मौके गंवाने के बाद मैच अपने नाम कर दिया।

विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप: पूजा सिंह ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

भालाफेंक में यादव ने खोला खाता, जीता रजत पदक

एजेंसी ►► यूजीन

आशीष यादव ने विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में पुरुषों के भालाफेंक में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला जबकि राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। यादव ने तीसरे दौर में 74.09 मीटर का थ्रो फेंककर रजत पदक हासिल किया। वहीं भारत के टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। यादव अपने सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन से 40 सेमी पीछे रह गए। उन्होंने मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियस्पर्धा में 74.49 मीटर का थ्रो फेंका था।



चोपड़ा के बाद पदक जीतने वाले बने दूसरे भारतीय

19 वर्ष के यादव दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए। चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में 86.48 मीटर के विश्व जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। यह रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हैमैस ने 80.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं डोमिनिका के एडिसन जेम्स को कांस्य पदक मिला, जिन्होंने 73 .89 मीटर का थ्रो फेंका था।

पूजा ने लगाई 1.79 मीटर की लंबी कूद

महिलाओं की ऊंची कूद में पूजा ने 1.79 मीटर के साथ फाइनल में जगह बनाई। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1.79 मीटर की बाधा पार करने वाले को फाइनल में जगह मिली। पुरुषों की लंबी कूद में शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने फाइनल में जगह बना ली। शाहनवाज क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7.79 मीटर की कूद के साथ चौथे और कुल पांचवें स्थान पर रहे जबकि जितिन 7.57 मीटर की कूद लगाकर 12वें स्थान पर रहे। महिलाओं की भालाफेंक स्पर्धा में पूनम अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल 13वें स्थान के साथ फाइनल में जगह नहीं बना सकी।



मैच का पड़ाव छू लिया। अब इस मौके पर विश्व क्रिकेट की किर्हीं 2 बड़ी टीमों की टक्कर तो नहीं हुई लेकिन स्कॉटलैंड और कनाडा ने अपनी ओर से इस यादगार मुकाबले को रोमांचक बनाने की पूरी कोशिश की और उसमें दोनों टीम सफल भी रहीं। बस सफलता स्कॉटलैंड के हाथ लगी।

एशिया कप में खेलना संदिग्ध

भारत को झटका, चोट के कारण ‘द हंड्रेड’ से बाहर हुई जेमिमा



एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की प्रमुख बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स सदरन ब्रेव तरफ से खेलते हुए मांसपेशियों में खिंचाव (हैमसट्रिंग) के कारण मौजूदा ‘द हंड्रेड’ क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं और उनका आगामी महिला टी20 एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है।

सदरन ब्रेव ने पुष्टि की कि टूर्नामेंट के शेष मैचों के लिए जेमिमा की जगह ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर चाली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। सदरन ब्रेव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हम पुष्टि करते हैं कि जेमिमा रोड्रिग्स के चोट के कारण 'द हंड्रेड'

से बाहर हो जाने के बाद बाकी बचे मैचों के लिए उनकी जगह चाली नॉट को टीम में शामिल किया गया है। जेमी हम आपके जल्द से जल्द फिट होने की कामना करते हैं।' 25 वर्षीय जेमिमा ने ब्रेव की तरफ से छह पारियों में 35.75 के औसत और 131.19 के स्ट्राइक रेट से 143 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 42 रन रहा। महिला टी20 एशिया कप 28 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें भारत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। जेमिमा के पास इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट तक फिट होने के लिए लगभग तीन सप्ताह का समय है।

